वर्ष: 2 अंक: 59,
पेज: 4, मुल्य 1 रु.

सुरत

शनिवार

2 मई 2020

दैनिक क्रांति समय

आपने आसपास की घटनाक्रम,समाचार,प्रेसनोट देने के लिये हमारे ईमेल krantisamay@gmail.com या WhastApp 9879141480 पर भेज सकते हैं
ब्यूरो, रिपोर्टर अपने क्षेत्र की खबरें के लिये संपर्क करें.

सुविचार :– जिन्दगी इतनी मुश्किल इसलिए हैं क्योंकि लोग आसानी से मिली चीज की कीमत नही जानते

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चिंता का विषय, चीन में 981 मरीज जिन अंदर कोरोना संक्रमण के कोई भी लक्षण नहीं

बीजिंग । चीन में कोरोना संक्रमण के 981 वे मामले सामने आए हैं, जिनमें अभी तक बताए जा रहे कोरोना के कोई भी लक्षण नजर नहीं आ रहे थे। ये सभी लोग टेस्ट में पॉजिटिव मिले, लेकिन इनमें कोरोना के सामान्य लक्षण मौजूद नहीं थे। इन सभी मामलों में से 631 हुबेई और वुहान से ही सामने आए हैं। हालांकि चीनी सरकार ने वुहान को संक्रमण रहित इलाका घोषित कर दिया है। इसके अलावा चीन में मई दिवस (मजदूर दिवस) की पांच दिन की छुट्टी में संक्रमण फैलने के खतरे को देखकर पुलिस और अन्य एजेंसियों को सतर्कता बरतने के लिए कहा है। चीन में कोरोना के संक्रमण के मामले घटने के बाद पूरे देश में सामान्य गतिविधियां बहाल कर दी गई। हालांकि लक्षण नहीं दिखने वाले मामलों का बढ़ना अब भी चिंता का विषय है।

चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने बताया कि देश में बिना लक्षण वाले 25 नए मामले सामने आए हैं जिसके बाद इसतरह के कुल लोगों की संख्या 981 हो गई है जिसमें से 115 विदेशी हैं, जो निगरानी में हैं। हुबेई प्रांत के स्वास्थ्य आयोग ने बताया कि पिछले 27 दिन में कोरोना वायरस का कोई नया मामला सामने नहीं आया है लेकिन राज्य और इसकी राजधानी वुहान में 631 लोग हैं जिनमें कोई लक्षण नहीं दिखे हैं और उन्हें चिकित्सीय निगरानी में रखा गया है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आरोप लगाया कि चीन इस साल के आखिर में निर्धारित चुनावों में उन्हें निर्वाचित होते हुए नहीं देखना चाहता है। उन्होंने कहा ऐसा इसकारण है, क्योंकि वह चीन से आयात शुल्क के तौर पर अरबों डॉलर वसूल रहे हैं। ट्रंप ने दावा किया कि उनकी बजाय चीन पूर्व उपराष्ट्रपति जो बाइडेन को अमेरिकी राष्ट्रपति बनते हुए देखना चाहता है। बाइडेन को विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी का प्रबल उम्मीदवार माना जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र ने माना–द. कोरिया की राह पर चल कर ही दी जा सकती है कोरोना को मात

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख एंतोनियो गुतारेस ने कहा है कि वह उम्मीद करते हैं कि विश्व दक्षिण कोरिया के 'उल्लेखनीय उदाहरण' का अनुसरण करेगा, जो कि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी से निपटने में अत्यधिक सफल रहा है। गुतारेस ने कहा कि दक्षिण कोरिया ने अपने देश में कोरोना के संक्रमण को बहुत प्रभावी तरीके से रोका। वहां हाल में कोरोना संक्रमण का कोई नया मामला सामने नहीं आया है।

उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरिया ने महामारी से निपटने के लिए बहुत महत्वाकांक्षी योजना पर अमल किया है, जिसमें नए कोयला संयंत्रों पर प्रतिबंध और मौजूदा संयंत्रों के उत्सर्जन में कमी लाना भी शामिल है।

गुतारेस ने कहा हम उम्मीद करते हैं कि कोरिया गणराज्य के इस उदाहरण का दुनिया में कई अन्य देश भी अनुसरण करेंगे। दक्षिण कोरिया के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र ने एक बयान में बताया कि पिछले 24 घंटों में चार मामले सामने आए हैं। इससे देश में संक्रमितों की संख्या 10,765 हो गई है और 247 लोगों की मौत हो चुकी है तथा 9,059 लोग स्वस्थ हो गए हैं।

पाक ने पीओके में जिहादी शिविरों की मौजूदगी को बताया आधारहीन

इस्लामाबाद । पाकिस्तान ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में जिहादी शिविरों की मौजूदगी के बारे में मीडिया रिपोर्टों को पूरी तरह आधारहीन करार दिया है। पाकिस्तान ने कहा कि इस तरह के दावे जम्मू–कश्मीर से दुनिया का ध्यान हटाने के लिए किए जाते हैं। विदेश कार्यालय की प्रवक्ता आइशा फारूकी ने कहा पाकिस्तान सार्क सम्मेलन के आयोजन के लिए प्रतिबद्ध है और दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने में अपनी रचनात्मक भूमिका निभाता रहेगा। पीओके में जिहादी शिविरों की उपस्थिति के बारे में मीडिया में आई खबरों से जुड़े पर एक सवाल का जवाब देते हुए, उन्होंने कहा कि इस तरह के निराधार दावा जम्मू–कश्मीर से दुनिया का ध्यान हटाने के मकसद से किया गया है।

द्वितीय विश्व युद्ध के हीरो टॉम मूरे ने मनाया 100 वां जन्मदिन

गुरुवार को दूसरे विश्व युद्ध के हीरो कैप्टन टाम मूरे ने अपना 100वां जन्मदिन मनाया। ब्रिटेन में कोरोना से लड़ाई के लिए नेशनल हेल्थ सर्विस के लिए उन्होंने 290 करोड रुपए का फंड जुटाया है। जिसके कारण वह सुर्खियों में रहे। टाम मूरे ने द्वितीय विश्व युद्ध में भाग लिया था। 100 साल के इतिहास में उन्होंने सारी दुनिया में बड़े–बड़े उलट पर देखे और समझे हैं। इस उम्र में भी वह पूरी क्षमता के साथ कोरोनावायरस की लड़ाई में एक योद्धा के रूप में जुटे हुए हैं।

बैग में बच्ची का कटा सिर लेकर सड़क पर बिना कपड़ों के घूम रही थी महिला, टपक रहा था खून

कीव । यूक्रेन के शहर खारकीव में कुछ लोगों ने पुलिस को फोन कर शिकायत की कि एक महिला हाथ में खंजर लेकर बिना कपड़ों के सड़क पर घूम रही है। इस महिला का पूरा शरीर खून में सना हुआ था और एक बैग इसके हाथ में था जिसमें से भी खून टपक रहा था।

पुलिस ने पहुंच कर इस महिला को हिरासत में ले लिया है लेकिन चौंकाने वाली बात ये है । पुलिस उस शख्स और बच्ची की पहचान करने की कोशिश कर रही है। खोलोड़ोंग्रोक्स पुलिस डिपार्टमेंट ने बताया कि इस बात की छानबीन की जा रही है कि महिला किसी मानसिक बीमारी से पीड़ित तो नहीं है। पुलिस ने बताया है कि ये महिला अपनी 13 साल की बेटी और बहन के साथ रह रही थी और बेटी की भी लाश बरामद हुई है। हालांकि बरामद सिर बेटी का ही है या नहीं इस बारे में फ़िलहाल पुलिस ने जानकारी नहीं दी है।

महिला के साथ रह रहा पुरुष उसकी बहन का बॉयफ्रेंड बताया जा रहा है, हालांकि वह अभी भी फरार है। पुलिस को शक है कि महिला की बहन और बॉयफ्रेंड से महिला के झगड़े के बाद किसी ने बेटी का क़त्ल किया है।

17 मई तक बढ़ाः फ्लाइट, रेल, बस के साथ–साथ स्कूल–कॉलेज रहेंगे बंद

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने कोरोना वायरस के बढ़ते मामले को देखते हुए लॉकडाउन को 17 मई तक बढ़ाने का फैसला किया है। गृह मंत्रालय ने लॉकडाउन को बढ़ाने के साथ साफ कहा कि इस दौरान हवाई सफर, ट्रेन, इंटर स्टेट बस सर्विस, स्कूल–कॉलेज बंद रहेंगे। देश में 40 दिनों का लॉकडाउन 3 मई को पूरा हो रहा था। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्रालय ने लॉकडाउन बढ़ाने की घोषणा की है। हालांकि, इस बार ग्रीन और ऑरेन्ज जोन में शर्तों के साथ कुछ छूट भी दी जाएगी। लेकिन सोशल डिस्टेंशिंग के नियम पहले की तरह जारी रहेंगे।

– रेड जोन में आने वालों को नहीं मिलेगी कोई राहत
– 17 मई तक करना होगा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन

गृहमंत्रालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि लॉकडाउन से कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में देश को काफी लाभ हुआ है। लॉकडाउन को 4 मई से अगले 2 सप्ताह तक बढ़ाने की घोषणा की जाती है। रेड, ग्रीन और ऑरेन्ज जोन के लिए अलग–अलग गाइडलाइंस तैयार की गई है। ग्रीन और ऑरेन्ज जोन में काफी छूट भी दी गई है। देशभर में कोरोना का कहर जारी है और बीते 24 घंटे में कोरोना के 1755 नए पॉजिटिव मामले सामने आए हैं और 77 मौतें हुई हैं। कोरोना वायरस के कारण देशभर में अब तक 1152 लोगों की मौत हो चुकी है।

– लॉकडाउन पर चर्चा

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, देश में कोविड–19 से अब भी 35,365 लोग संक्रमित हैं जबकि 9065 लोग स्वस्थ हो गए और एक मरीज देश छोड़कर चला गया। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ लॉकडाउन पर चर्चा की थी। इस दौरान अधिकतर राज्यों के मुख्यमंत्रियों की राय थी कि कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए लॉकडाउन अभी जारी रखा जाए। कुछ राज्यों ने लॉकडाउन के साथ ही आर्थिक गतिविधियों को शर्तों और सावधानियों के साथ चालू करने पर जोर दिया था। पीएम नरेंद्र मोदी ने 24 मार्च को 21 दिन के लॉकडाउन की घोषणा की थी। इसके बाद 14 अप्रैल से इसे 17 दिन के लिए और बढ़ाया गया था। यह तीसरे फेज में लॉकडाउन को 17 मई तक बढ़ा दिया है। लॉकडाउन की घोषणा से पहले पीएम मोदी की अपील पर देशभर में 22 मार्च को जनता कर्फ्यू लगाया गया था। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, जिन जिलों में कोरोना वायरस का संक्रमण तेजी से फैल रहा है और नए मरीज सामने आ रहे हैं, उस जिले को रेड जोन में रखा गया है।

वहीं, जिन जिलों में बीते 21 दिनों में एक भी नया मामला सामने नहीं आया है, उसे ग्रीन जोन में रखा गया है। केंद्र सरकार ने रेड जोन से ग्रीन जोन में जिलों को रखने के मानक बदले हैं। अब 28 दिन की बजाय 21 दिन तक कोरोना का नया केस नहीं आने पर किसी जिले को रेड जोन से ग्रीन जोन में रखा जा सकेगा। मौजूदा नियमों के तहत 14 दिनों तक नया केस नहीं आने पर जिले को रेड से आरेंज और फिर अगले 14 दिनों तक केस नहीं आने पर ग्रीन जोन जिलों में रखा जाता था। लेकिन अब यह अवधि 21 दिन रह जाएगी।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव प्रीति सुदन ने मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर यह सूचित किया है। उन्होंने कहा कि डबलिंग अवधि बढ़ने और रिकवरी रेट बेहतर होने के चलते यह निर्णय लिया गया है। गुरुवार को कैबिनेट सचिव ने कोरोना की स्थिति की समीक्षा की थी। देश में अभी 130 जिले रेड जोन में, 284 आरेंज और 319 ग्रीन जोन में हैं। वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या दोगुना होने की रफ्तार लगातार घट रही है। अब देश में 11 दिन में रोगी दोगुना हो रहे हैं। लॉकडाउन से पहले यह अवधि 3।4 दिन थी। सरकार ने कहा कि 16 राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश ऐसे हैं जहां यह अवधि और भी ज्यादा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने गुरुवार को प्रेस कान्फ्रेस में कहा कि सात राज्यों में संक्रमण दोगुना होने की दर 11 से 20 दिन के बीच है। इनमें दिल्ली की दर 11.3, उत्तर प्रदेश 12, कश्मीर 12.2, ओडिशा 13, राजस्थान 17.8, तमिलनाडु 19.1 और पंजाब 19.5 दिन है।

चीन ने साउथ चाइना सी में खदेड़ा अमेरिकी जंगी जहाज, यूएस ने भेजा बमवर्षक विमान

वॉशिंगटन । पूरी दुनिया कोरोना वायरस के कारण कराह रही है, वहीं इस माहौल में भी चीन और अमेरिका के बीच सैन्य तनाव लगतार बढ़ता जा रहा है। चीन की नौसेना ने दावा किया है कि साउथ चाइना सी में अमेरिका के एक जंगी जहाज को अपने इलाके से खदेड़ दिया है। उधर, अमेरिका ने चीन के इस दावों का खंडन किया है।इस बीच अमेरिका ने भी अपने बमवर्षक विमानों को भी साउथ चाइन सी गश्त के लिए भेजा है।

चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी की सदर्न थिएटर कमान के प्रवक्ता सीनियर कर्नल ली हुआमिन ने कहा कि चीन ने अमेरिका के गाइडेड मिसाइल विध्वंसक यूएसएस बैरी की टोह लेने के लिए हवाई और समुद्री

बलों को मोर्चे पर लगाकर उस अपनी सीमा से बाहर खदेड़ दिया। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी जंगी जहाज दक्षिणी चीन सागर में उसके समुद्री क्षेत्र में था लेकिन अमेरिकी नौसेना ने उनके इस दावे का खंडन किया है।

हुआमिन ने कहा कि अमेरिका की इस हरकत से अंतरराष्ट्रीय कानूनों धज्जियां उड़ाई हैं और चीन की संप्रभुता और सुरक्षा हितों का गंभीर उल्लंघन किया है। इससे हमारी सुरक्षा को खतरा बढ़ा है,इससे अप्रत्याशित परिणाम हो सकते हैं और इससे कोरोना के खिलाफ वैश्विक लड़ाई कमजोर होगी। अमेरिकी नौसेना ने चीन के दावों का खड़न कर कहा है कि टकराव की कोई बात नहीं है और ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं है कि चीन के किसी भी जहाज ने कोई अवांछित हरकत की है।

दक्षिण चीन सागर और उसके आसपास के समुद्री इलाके में कई देश अपना दावा करते हैं। चीन इस इलाके में लगातार अपनी सैन्य स्थिति मजबूत कर रहा है। वह फिलीपींस में मूंगे के बने द्व ोपों के ऊपर कांक्रीट डालकर उन्हें रिसर्च स्टेशनों में बदल रहा है। असल में ये हथियारों के लिए लांच प्लेटफॉर्म हैं जहां से विमान और मिसाइल तैनात किए जाएंगे।

दक्षिण चीन सागर एक व्यस्त समुद्री मार्ग है जहां से पूरे साल लाखों करोड़ डॉलर का सामान खासकर तेल गुजरता है। इस क्षेत्र पर अपना दावा मजबूत करने के लिए चीन वहां ज्यादा से ज्यादा जंगी और शोध जहाज भेज रहा है। चीन ने दक्षिण चीन सागर में खनिज संसाधनों की थाह लेने के लिए अपना एक जहाज हैयांग दिझी 8 को वहां भेजा है लेकिन अमेरिका को उसकी यह हरकत नागवार गुजरी है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मॉर्गन ऑटेजेस ने कहा, चीन उस समय में अपने अवैध सामुद्रिक दावों को आगे बढ़ा रहा है जब दुनिया कोरोना वायरस से जूझ रही है। यह ठीक नहीं है।

भारतीय मूल की लड़की वनीजा ने मंगल पर जाने वाले हेलीकॉप्टर का किया नामकरण

वाशिंगटन । भारतीयों के लिए एक बार फिर गर्व से सिर ऊंचा करने का अवसर आ गया है। अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा के पहले मंगल हेलीकॉप्टर को अब नाम मिल गया है और इसका श्रेय भारतीय मूल की 17 वर्षीय लड़की वनीजा रूपाणी को मिला है। नॉर्थपोर्ट, अल्बामा से ताल्लुक रखने वाली जूनियर हाईस्कूल छात्रा वनीजा रूपाणी को यह श्रेय तब मिला जब उन्होंने नासा की 'नेम द रोवर' प्रतियोगिता में अपना निबंध जमा किया। यांत्रिक ऊर्जा और प्रणोदन प्रणाली से युक्त नासा के मंगल हेलीकॉप्टर को आधिकारिक रूप से नामकरण के बाद अब 'इंजनुइटी' कहा जाएगा। रूपाणी ने ही इस विमान के लिए यह नाम सुझाया था जिसे स्वीकार कर लिया गया। नासा ने मार्च में घोषणा की थी कि उसके अगले रोवर का नाम 'पर्सविरन्स' होगा जो सातवीं कक्षा के छात्र एलेक्जलेंडर मैथर के निबंध पर आधारित है। एजेंसी ने मंगल ग्रह पर रोवर के साथ जाने वाले हेलीकॉप्टर का नामकरण करने का भी निर्णय किया था।

नासा ने ट्वीट किया, 'हमारे मार्स हेलीकॉप्टर को नया नाम मिल गया है। मिलिएः इंजनुइटी से। छात्रा वनीजा रूपाणी ने 'नेम द रोवर' प्रतियोगिता के दौरान नामकरण किया। 'इंजनुइटी' दूसरी दुनिया में पहली यांत्रिक ऊर्जा उड़ान के प्रयास के तहत लाल ग्रह पर 'पर्सविरन्स' के साथ जाएगा।" नासा ने इस संबंध में बुधवार को घोषणा की। अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार रूपाणी की प्रविष्टि 28 हजार निबंधों में शामिल थी जिसमें अमेरिका के प्रत्येक राज्य और क्षेत्र के छात्रों ने हिस्सा लिया। नासा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार रूपाणी ने अपने निबंध में लिखा, 'इंजनुइटी वह चीज है जो अद्भुत चीजें सिद्ध करने में लोगों की मदद करता है। यह ब्रह्मांड के हर कोने में हमारे क्षितिजों को विस्तारित करने में मदद करेगा।' उनकी मां नौशीन रूपाणी ने कहा कि उनकी बेटी बचपन से ही अंतरिक्ष विज्ञान में रुचि रखती थी।

'इंजनुइटी' और 'पर्सविरन्स' के जुलाई में प्रक्षेपण का कार्यक्रम है और ये अगले साल फरवरी में मंगल ग्रह के जेजेरो गड्ढे में उतरेंगे जो 3.5 अरब वर्ष पूर्व अस्तित्व में आई एक झील का स्थल है। नासा ने कहा कि रोवर जहां मंगल के नमूने एकत्र करेगा, वहीं हेलीकॉप्टर वहां उड़ने की कोशिश करेगा और यदि सब कुछ ठीक रहा तो यह भविष्य के मंगल अन्वेषण अभियानों में हवाई आयाम को जोड़ेगा।

देश में बीते 24 घंटे में 77 लोगों की मौत, मृतकों की संख्या 1152

नई दिल्ली ।देश में कोरोना वायरस 'कोविड–19' संक्रमण के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही हैं और पिछले 24 घंटों के दौरान 1755 नए मामले सामने आने के साथ ही देश में संक्रमितों की संख्या 35 हजार से अधिक तथा इसके कारण 77 लोगों की मौत होने से मृतकों की तादाद 1152 हो गई है। देश के 32 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में कोरोना वायरस के अब तक कुल 35,365 मामलों की पुष्टि हुई है, जिनमें 111 विदेशी मरीज शामिल हैं। कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों के स्वस्थ होने के मामलों में भी लगातार वृद्धि हो रही है और पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमित 690 लोगों के स्वस्थ होने के साथ ऐसे लोगों की संख्या 9065 तक पहुंच गई। देश में वर्तमान में 25148 संक्रिय मामले हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार शाम 5 बजे जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना वायरस से सबसे अधिक गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में स्थिति में कोई सुधार होता नहीं दिख रहा है और पिछले 1 दिन में 583 नए मामलों के बाद राज्य में संक्रमितों की संख्या 10,498 पर पहुंच गयी है और इस दौरान 27 और लोगों की मौत के बाद इस महामारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 459 हो गई है। राज्य में 1773 संक्रमित मरीज ठीक हो चुके हैं। वहीं पश्चिमी राज्य गुजरात पिछले 24 घंटों के दौरान 313 नए मामले सामने आने के साथ संक्रमितों की संख्या के मामलों में दूसरे स्थान पर बना हुआ है। गुजरात में संक्रमितों की कुल संख्या 4395 हो गई है तथा 17 और लोगों की मौत के बाद मृतकों की संख्या 214 पर पहुंच गई है। राज्य में ठीक होने वाले मरीजों की संख्या भी बढ़कर 613 हो गई हैं। (page-08)

रूस में एक लाख के पार पहुंचा कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा, प्रधानमंत्री भी कोरोना पॉजिटिव

मॉस्को । रूस में शुक्रवार को कोरोना संक्रमण के करीब 8,000 मामले सामने आने के बाद कुल मामले 1,14,431 हो गए हैं। इन मामलों की संख्या और अधिक होने की संभावना है, क्योंकि हर किसी की जांच नहीं हो पा रही है और रूस में जांच रिपोर्ट केवल 70 से 80 फीसदी ही सटीक आ रही है। वहीं, प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तीन ने गुरुवार को घोषणा की थी कि उनके कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि रूस के पांच क्षेत्रों में निमोनिया के मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है।

कोविड–19 संक्रमण के आधे मामले मॉस्को से है। जन स्वास्थ्य एजेंसी के मुताबिक मॉस्को में श्वसन संबंधी सभी संक्रमण कोरोना वायरस के कारण होने की संभावना है।

कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में भारत अगुवा के तौर पर सामने आया : अमेरिका

वाशिंगटन अमेरिका भारत की प्रशंसा करते हुए कहा कि कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में भारत अगुवा के तौर पर सामने आया है। अमेरिका के एक प्रभावशाली सांसद ने हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन दवाओं जैसी अहम चिकित्सा सामग्री को बड़ी मात्रा में अमेरिका को मुहैया कराने के लिए भारत की मुक्तकंठ से सराहना की है। सांसद जॉर्ज होल्डिंग ने कहा कि भारत अमेरिका के सबसे करीबी और महत्वपूर्ण सहयोगियों में से एक है और हमारे रिश्ते को हमेशा वाशिंगटन में दोनों पक्ष का समर्थन प्राप्त रहा है। मैं आभारी हूं कि भारत कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में एक अगुवा के तौर पर सामने आया और मुझे खुशी है कि इस वैश्विक महामारी के दौरान हमारी खास साझेदारी मजबूत बनी हुई है। होल्डिंग भारत और भारतीय–अमेरिकियों पर कांग्रेस की कॉकस के सह–अध्यक्ष भी हैं। उत्तर कैरोलिना के प्रभावशाली रिपब्लिकन सांसद ने एक बयान में अमेरिका में महामारी संबंधी राहत कार्यों में भारतीय–अमेरिकी गैर लाभकारी संगठनों और सामुदायिक संगठनों द्वारा निभाई जा रही भूमिका की भी सराहना की।

होल्डिंग ने कहा कि अमेरिकी सरजमीं पर सेवा इंटरनेशनल (भारत स्थित सेवा संगठन) मास्क, भोजन बांटने के लिए बिना थके काम कर रही है और यह सुनिश्चित कर रही है कि देशभर में कमजोर वर्ग के लोगों को भोजन तथा दवाएं मिले। उन्होंने कहा कि भारत सरकार कोविड–19 से निपटने में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की मदद के लिए अपने देश और अमेरिका दोनों में कड़ी मेहनत कर रही है। यह देखना रोमांचक है कि हमारे करीबी और सबसे महत्वपूर्ण साझेदारों में से एक का करीब 10 हजार मील दूर से हमारे देश पर कैसे इतना प्रभाव हो सकता है।

होल्डिंग ने कहा कि भारत ने दिखाया है कि वे दवाओं और चिकित्सा उत्पाद के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं को खुली रखने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि अमेरिका और भारत के अपने क्षेत्रीय पड़ोसियों को इसका फायदा मिल सके। रिपब्लिकन सांसद ने कहा कि अप्रैल की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देशव्यापी लॉकडाउन के बीच अंतरराष्ट्रीय व्यापार के सामने आ रही चुनौतियों से निपटने के लिए साथ मिलकर काम किया। तब से भारत ने अमेरिका को हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन की बड़ी खेप जैसी अहम सामग्री मुहैया कराई। उन्होंने कहा कि भारत–अमेरिका साझेदारी का सीधा असर

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोनाः अंतिम संस्कार हेतु स्थिति स्पष्ट करे विश्व स्वास्थ संगठन

कोरोना महामारी पूरे विश्व में अपना रौद्र रूप दिखा रही है। कोरोना संक्रमण से मरने वालों का आंकड़ा लगभग 2 लाख तक पहुँचने वाला है । संक्रमित शवों का अंतिम संस्कार करना भी एक बड़ी समस्या बन चुका है। ज़ाहिर है मृतकों के परिजनों की भी यही इच्छा होती है कि उनके परिवार के किसी भी मृतक सदस्य का अंतिम संस्कार उनके अपने धार्मिक रीति रिवाज व मान्यताओं के अनुरूप ही किया जाए। किसी के शव के अंतिम संस्कार की विधि दरअसल इस बात पर निर्भर

करती है कि वह अपने जीवनकाल में किस धर्म से संबंधित था। विश्व का बहुसंख्य समाज जिसमें विश्व की दो सबसे बड़ी जनसंख्या अर्थात ईसाई व मुसलमान शामिल है, इन दोनों ही धर्मों में शवों को ज़मीन में क़ब्र खोदकर दफ़्न किये जाने की प्राचीन परम्परा है। इस विषय में हिन्दू धर्म को सबसे उदार अथवा समावेशी धर्म माना जा सकता है। हिन्दू धर्म में छोटे बच्चों के शव का अग्निदाह नहीं किया जाता बल्कि इन्हें भी शमशान घाट में ही क़ब्र अथवा गड्ढा खोद कर दफ़्न किया जाता है जबकि शेष सभी वयस्कों का दाह संस्कार शवों को अग्नि भेंट कर किया जाता है। नदियों के किनारे बसने वाले अनेक ग्रामीणक्षेत्रों में ग़रीब लोग शवों को नदियों में जल प्रवाह के मध्य भी विसर्जित कर देते हैं। सिख धर्म में भी शव का अग्नि दाह–संस्कार ही किया जाता है।

तिब्बतियों में दो दिन तक मंत्रों का उच्चारण करने के बाद तीसरे दिन शव को उसके किसी संबंधी की पीठ पर रखकर खुली पहाड़ी पर ले जाया जाता है जहां शव पर पका हुआ जौ का आटा डाला जाता है, ताकि उसी के साथ चील–गिद्ध शरीर को अपना भोजन बना सकें। तिब्बतियों की ही तरह पारसी धर्म के लोग भी अंतिम संस्कार की परंपरा को दोखमेनाशिनी परंपरा के नाम से निभाते आ रहे हैं। इस के लिए पारसी समाज पूरी तरह से गिद्धों पर ही निर्भर हैं। इनके संस्कार स्थल को 'टॉवर ऑफ साइलेंस' कहा जाता है जो एक तरह का बग़ीचा होता है इसमें बने टावर की चोटी पर ले जाकर शव को रख दिया जाता है, फिर गिद्ध आकर उस शव को ग्रहण कर लेते हैं। विलुप्त होती जा रही गिद्धों की वजह से कुछ उदारवादी पारसियों का मानना है कि यह परंपरा अपने अंतिम चरण पर है। लेकिन पारसी सिद्ध ांतवादियों का कहना है कि वह इसके अलावा किसी अन्य प्रथा को अंतिम संस्कार के तौर पर अपना ही नहीं सकते। परंपरावादी पारसी अपनी जगह सही हैं क्योंकि परंपरा से खिलवाड़ करना इतना भी सही नहीं है, वहीं सुधारवादियों का यह कहना कि अंतिम संस्कार के रूप में विकल्प का चयन कर लिया जाना चाहिए, गिद्धों की घटती संख्या को देखकर तो यही मालूम होता है। इंडोनेशिया के तना तोराजा क्षेत्र में शव के अंतिम संस्कार के दौरान पहले शव को ले जाकर विधि पूर्वक दफ़नाते हैं या फिर पहाड़ी से लटका देते हैं। इसके बाद घर आने पर सभी रिश्तेदारों तथा दोस्तों को बुलाकर दावत दी जाती है तथा गाना बजाना और नृत्य होता है।

परन्तु कोरोना महामारी से होने वाली मौतों के बाद कई स्थानों से अंतिम संस्कार से संबंधित ऐसे समाचार आ रहे हैं जो विचलित करने वाले हैं। जैसे कि पिछले दिनों महाराष्ट्र के मालवाणी क्षेत्र में कोरोना वायरस के संक्रमण के चलते एक 65 वर्षीय मुसलमान शख़्स की मौत हो गयी। मृतक के परिजन जब उसके शव को मालवाणी क़ब्रिस्तान ले गए तो क़ब्रिस्तान कमेटी के लोगों ने उसके शव को दफ़नाने से इनकार कर दिया। उनका कहना था कि चूँकि मृतक कोरोना वायरस से संक्रमित था लिहाज़ा संक्रमण फैलने के भय से उसे दफ़नाने नहीं दिया जा सकता। जबकि महानगर पालिका ने सीमित लोगों की मौज. ूदगी में शव को दफ़नाने की अनुमति भी दे दी थी। स्थानीय पुलिस ने भी हस्तक्षेप करते हुए क़ब्रिस्तान कमेटी लोगों से से शव दफ़नाने की अनुमति दिए जाने का आग्रह किया परन्तु इसके बावजूद वे नहीं माने। आख़िरकार कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं के हस्तक्षेप करने के बाद और क़रीब के ही एक हिन्दू शमशान स्थल में शव को जलाने का अनुरोध किया गय। और आख़िरकार उस मृतक मुस्लिम व्यक्ति के परिवार के सदस्यों व शमशान भूमि के प्रबंधकों की सहमति से शव का अग्नि दहन के द्वारा अंतिम संस्कार किया गया।

उधर श्रीलंका में कोरोना संक्रमण से मौत होने पर शव का अग्नि दाह कर अंतिम संस्कार करना अनिवार्य घोषित कर दिया गया है। इसके लिए बाक़ाएदा क़ानून में संशोधन भी किया गया है। 11 अप्रैल के राजपत्र में कहा गया कि जिस व्यक्ति की मृत्यु कोरोना वायरस से होने का संदेह है, उसके शव का अग्नि दाह से अंतिम संस्कार किया जाएगा। यह भी निर्देशित किया गया है कि शव को 800 से 1200 डिग्री सेल्सियस के बीच के तापमान पर कम से कम 45 मिनट से एक घंटे तक जलाया जाएगा। कोरोना संक्रमण चलते मरने वाले कई मुस्लिम शवों को भी जलाया जा चुका है जबकि सरकार के इस क़दम का देश के मुस्लिम समुदाय के लोग विरोध कर रहे हैं तथा इसे अपनी धार्मिक रीति रिवाज व परम्पराओं में दख़ल मान रहे हैं। चीन ने भी अपने देश में मरने वाले सभी कोरोना संक्रमित शवों को जलाने का निर्णय लिया है। परन्तु यह भी सच है कि अमेरिका,फ़्रांस,स्पेन,इटली,ईरान,अरब देश व पाकिस्तान जैसे अनेक देशों में अभी भी कोरोना से मरने वालों शवों को दफ़नाया ही जा रहा है। क्या इन देशों के लोग इस तर्क से वाक़िफ़ नहीं कि कोरोना संक्रमित शवों को दफ़्न करने से संक्रमण फैलने का ख़तरा है ? निश्चित रूप से विश्व स्वास्थ संगठन ने कोरोना संक्रमित शवों के अंतिम संस्कार किये जाने को लेकर विस्तृत निर्देशावली जारी की है जिसमें उसने शव को दफ़्न करने अथवा जलाने के दौरान या उस समय बरती जाने वाली तमाम सावधानियों का ज़िक्र किया है। जैसे शव को छूने और चूमने से बचना चाहिए, जो लोग शव को दफ़ना रहे हैं या जला रहे हैं उन्हें दस्ताने पहनने चाहिए।अंत्येष्टि पूरी हो जाने के बाद दफ़नाने या जलाने वाले लोगों को अपने हाथ पैर मुंह साबुन और पानी से अच्छी तरह साफ़ करना चाहिए। परन्तु विश्व स्वास्थ संगठन द्वारा इस बात को क़तई स्पष्ट नहीं किया गया है कि कोरोना संक्रमित शवों को दफ़नाने और जलाने में से कौन सा उपाय अपनाना श्रेष्ठ व हितकारी है ? निश्चित रूप से हर धर्म के लोगों की परंपरा के मुताबिक़ ही उसके संस्कार किये जाने चाहिए। परन्तु कोरोना महामारी जैसी अपरिहार्य व अभूतपूर्व परिस्थितियों में विश्व स्वास्थ संगठन को अपनी ओर से स्थिति को इस संबंध में और भी स्पष्ट कर देना चाहिए तथा पूरे विश्व को मानव जाति की रक्षा के मद्देनज़र विश्व स्वास्थ संगठन के निर्देशों का पालन भी करना चाहिए।

वीर करोना योद्धा तेरा सादर है आभार

सादर है आभार तुम्हारा सादर है आभार
वीर करोना योद्धा तेरा सादर है आभार
अपने घर तक जा ना पाते
कारों में कुछ रात बिताते
जगते सोते सेवा में हैं
हों नर्सेज या डाक्टर्स अपने
ईश्वर के अवतार
सादर है आभार तुम्हारा
सादर है आभार

सादर है आभार तुम्हारा सादर है आभार
वीर करोना योद्धा तेरा सादर है आभार
स्वच्छ सड़क ये कौन है करता
कौन उठा कचरा ले जाता
पता न चलता शोर न मचता
कौन गंदगी से ना डरता
उसका है आभार
सादर है आभार

सादर है आभार तुम्हारा सादर है आभार
वीर करोना योद्धा तेरा सादर है आभार
दानवीर ये कौन हैं जिनको
उस गरीब की फिकर लगी है
जो भूखे और दूर घरों से
हर उस भामाशाह का
सादर है सत्कार
सादर है आभार

सादर है आभार तुम्हारा सादर है आभार
वीर करोना योद्धा तेरा सादर है आभार
हम तो घर में हुये सुरक्षित
किन्तु कौन जो जगे हुये हैं
पहुंचाने को बिजली पानी लगे हुये हैं
डाटा , आटा सब्जी राशन ,
उनका हो सत्कार
सादर है आभार

खुद घर से जो बाहर रहकर
सारे खतरे स्वयं झेलकर
सहकर के भी सबकी गाली
कर्तव्यों में जुटे हुये हैं
वर्दी में वे डटे हुये हैं
ऐसे पुलिस और प्रशासन
का होवे सत्कार
सादर है आभार
वीर करोना योद्धा तेरा सादर है आभार
सादर है आभार तुम्हारा सादर है आभार

(विचार–मंथन)

महामारी अनियंत्रित

कोरोना वायरस पर किसी का नियंत्रण नहीं हो रहा है। आज दुनिया के वे देश भी परेशान हैं, जो दूसरों को नसीहत देते थे और वे भी जो किसी की सुनने को तैयार नहीं थे। अब सब के सब इसी जुगत में हैं कि कोई कहीं से इस वायरस का इलाज लाकर दे दे और वे आगे की सोचें। हालांकि, यह पहली बार नहीं है, जब देशों की ऐसी हालत हुई हो। पहले भी कई बार कई वायरस ने दुनिया को चुनौती और चेतावनी दी। मगर तब वायरस का असर या कहें प्रकोप इतना व्यापक नहीं था, सो किसी ने ध्यान नहीं दिया। मगर इस बार इसने सारी सीमाएं लांघ दी हैं। न मुल्क देखा और न ही परिवेश। बस अपना रूप बड़ा करता गया। पिछले मौकों पर जब वायरस के प्रकोप सामने आए, तब हमें इस तरह के संकट से उबरने का हल खोज लेना चाहिए था, लेकिन तब न विश्व स्वास्थ्य संगठन की आंख खुली और न ही संयुक्त राष्ट्र संघ की। अब सभी के सभी अपनी बेबसी को खुली आंख से देख रहे हैं।

कोरोना वायरस चीन के बाद अब अमेरिका और यूरोपीय महाद्व ीप के देशों में कहर बरपा रहा है। इटली, स्पेन, फ्रांस और अमेरिका जैसे देशों में जिस तेजी से लोग मर रहे हैं और नए संक्रमित मामले सामने आ रहे हैं, उससे तो यही लग रहा है कि दुनिया को जल्द ही इस संकट से मुक्ति नहीं मिलने वाली। इटली और स्पेन में तो रोजाना 900 के आसपास लोग मर रहे हैं, अमेरिका में मरने वालों का आंकड़ा तो बढ़ रहा है, उससे भी ज्यादा गंभीर बात नए मामलों का नाटकीय ढंग से सामने आना है। दुनिया में अमेरिका पहला देश बन गया है, जहां अब तक एक लाख लोग जांच में कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। ब्रिटेन में प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन, राजपरिवार के प्रिंस चाल्र्स तक इससे नहीं बच पाए। ब्रिटेन के हालात भी बड़े खतरे का संकेत दे रहे हैं। हालांकि चीन में महामारी खत्म नहीं हुई है, लेकिन इससे निपटने के लिए उसने बिना वक्त गंवाए जिस तेजी से युद्धस्तर पर काम किया, उससे हालात पर नियंत्रण पा लिया गया। यह दूसरे देशों के लिए एक सबक है।

अभी यह रहस्य ही बना हुआ है कि यह महामारी आखिर फैली कैसे। इसे लेकर तरह–तरह के किस्से चल रहे हैं और आशंकाएं भी व्यक्त की जा रही हैं। चीन और अमेरिका के बीच लंबे समय से चल रहे व्यापार युद्ध के नजरिए से भी देखा जा रहा है और अमेरिका चीन पर कोरोना वायरस फैलाने का आरोप लगा चुका है। कारण भले जो रहे हों, पर ज्यादातर देशों में यह लापरवाही की वजह से फैला। कई देशों ने चीन में कोरोना वायरस संक्रमण फैलने को शुरू में गंभीरता से नहीं लिया और वहां से आने वाले अपने और विदेशी नागरिकों के प्रवेश पर रोक लगाने जैसा कदम नहीं उठाया। विश्व स्वास्थ्य संगठन हालात की गंभीरता को देखते हुए दुनिया के सभी देशों को अपने यहां पूर्ण बंदी जैसा कदम उठाने को कहता रहा, लेकिन किसी ने इस पर गौर नहीं किया। इटली, स्पेन सहित यूरोप के ज्यादातर देश और अमेरिका इसी का नतीजा भुगत रहे हैं। ब्रिटेन में लॉकडाउन जैसे कदम को वहां के नागरिकों ने बड़े हल्के में लिया। यही अमेरिका में भी हुआ। भारत भी इससे अछूता नहीं रहा, सरकार को संक्रमण फैलने से रोकने के लिए जो कदम डेढ़ महीने पहले उठाने चाहिए थे, वे नहीं उठाए गए। इसका परिण ाम यह हुआ कि दुनिया भर से लोग भारत में प्रवेश करते गए और महामारी फैलाते रहे।

कोरोना महामारी ने दुनिया के ज्यादातर देशों की स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खोल दी है। अमेरिका और इटली की स्वास्थ्य सेवाओं को दुनिया में सबसे उत्कृष्ट माना जाता है। लोग यूरोप और अमेरिका इलाज कराने जाते ही इसलिए हैं कि वहां सबसे उन्नत और बेहतर चिकित्सा सेवाएं हैं। पर आज हालात ये हैं कि अस्पतालों में दवाइयों, बिस्तरों, चिकित्सा उपकरणों की भारी कमी है। ज्यादातर देशों में कोरोना की जांच के लिए परीक्षण किट ही नहीं हैं, प्रयोगशालाओं की कमी है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि कई देश परमाणु बम के हमले से बचने के उपाय तो खोज चुके हैं, लेकिन कोरोना जैसी महामारी से बचने और इलाज के तरीके किसी के पास नहीं हैं।

कोरोना से बढ़ेगा ई–लर्निंग का चलन

ई–लर्निंग मतलब सीखने का इलेक्ट्रॉनिक तरीका। टेक्नोलाजी का शिक्षा की दुनिया में प्रयोग लम्बे समय से चल रहा है। बदलते दौर के साथ ई–लर्निंग तकनीकि के बढ़ते साधनों से सीखने का आसान तरीका है, जिसमें किसी विशेष स्थान, समय और साधन की आवश्यकता नहीं होती है। कोई भी एंड्राइड फोन और इन्टरनेट के माध्यम से आसानी से ई–लर्निंग की सुविधा के साथ जुडा जा सकता है। इसके माध्यम से स्कूल, कॉलेज, दफतर को अपडेट रखने के सरल तरीके अपनाऐ जा सकते हैं। इसका उपयोग लम्बे समय से शिक्षा में किया जा रहा है। ई–लर्निंग एक ग्लोबल लर्निंग प्रोग्राम है, जिसमें कोई भी छात्र आसानी से विश्व के किसी भी इंस्टिट्यूट में विभिन्न कोर्सेज के माध्यम से ऑन–लाइन जुड सकता है। कोरोना के साये में शिक्षा का ई–लर्निंग प्रोग्राम एक सकारात्मक दृष्टिकोण दर्शाता है। संकट की इस घडी में भारत में आनॅलाइन एजुकेशन का उज्ज्वल भविष्य के तौर पर देखा

जा रहा है। मौजूदा समय में ई–लर्निंग एक बेहतर विकल्प के रूप में उभरा है। ई–लर्निंग जहां एक ओर विश्व के शिक्षण संस्थानों से बेहतर तालमेल बैठाने में सक्षम है, वहीं शिक्षक और छात्र में समन्वय स्थापित करने में भी कारगर है। भारत के दूर–दराज ग्रामीण इलाकों में उच्च शिक्षा की पहुंच स्थापित करने का बेहतर प्लेटफार्म है। वर्तमान में दुनिया के बाजारों में सन्नाटा छाया है, लेकिन शिक्षा में ई–लर्निंग के माध्यम से भविष्य की संभावनाएं तराशी जा रही हैं। आज के कोरोना दौर में ई–शिक्षा कई माध्यम से सुचारू रूप से दी जा रही है जैसे– मोबाइल लर्निंग, मोबाइल एप लर्निंग, सोसल लर्निंग, अनौपचारिक शिक्षा, आत्म निर्देशन के जरिए सीखना, ऑडियो, वीडियो के आधार पर, कई सोशल साइडों के माध्यम से, यूट्यूब, अन–अकेडमी, टेलीग्राम, इन्साट्ग्राम, फेसबुक के माध्यम से व्यक्तिगत एवं ग्रुरप स्टडी की जा रही है। मौजूदा दौर का बाजार इस बात की तसदीक करता नज़र आ रहा है, कि आने वाले दिनों में ई–लर्निंग का चलन और बढेगा।

संकट की इस घड़ी में भारत सरकार ने कई तरह के एजूकेशनल प्रोग्राम अपडेट किए हैं, जिनके माध्यम से लॉकडाउन में किसी भी छात्र की पढाई में कोई बाधा न उत्पन्न हो और छात्रों की समस्याऐं सुलझायी जा सके। छात्रों के लिए एन.सी.आर.टी. की बुक ऑनलाइन करना, ज्यादातर बुकस की पीडीएफ उपलब्ध कराना, ई–पाठशाला, एआईसीटीई स्टूडेंट कॉलेज हेल्पलाइन वेबपोर्टल, एआईसीटीई ट्रेनिंग एण्ड लर्निंग, यूजीसी के एमओओसी कोर्स, रिर्सच स्कॉलर के लिए शोधगंगा, शोधशुद्धि, विद्वान,इग्नू कोर्सिस वर्चुअल एक्सपेरिमेंट्स और कई तरह के लर्निंग प्रोग्रामों के माध्यम से बच्चों की शिक्षा से सम्बन्धित समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। कुछ महत्वपूर्ण एप्स और साइडस के माध्यम से छात्र अपने आपको अपडेट रख सकते है, जिनके माध्यम से शिक्षा की डिजिटल क्रान्ति में अहम योगदान साबित होगा, उनमें से कुछ प्रमुख साइड्स इसप्रकार हैं–

ई–पाठशाला – इसमें एनसीईआरटी के माध्यम से छात्रों के लिए ऑडियो, वीडियो, ई–बुक्स आदि की व्यवस्था की गयी है।

दीक्षा एप – इस एप में कक्षा 1 से 12वीं तक की सीबीएसई, एनसीईआरटी और स्टेट/यूटी की ओर से लगभग 80 हजार से अधिक ई–बुक्स मौजूद हैं।

नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इण्डिया – नेशनल रिपोसिटरी ऑफ ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेल।

स्वयं – यह नेशनल ऑनलाइन एजुकेशन प्लेटफार्म है। नेशनल प्रोग्राम, ऑन टेक्नोलॉजी एन्हांस्ड लर्निंग, ई–पीजी पाठशाला आदि वेबसाइड्स के अलावा अनेकानेक यूटयूब चैनलों के माध्यम से निःशुल्क और शुल्क दे कर भी शिक्षण का कार्य हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के छात्रों को अपडेट रखने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है, जिनके माध्यम से छात्र अपने जीवन में लगातार सफल हो रहे है।

इन अध्ययन के साधनों का सद्पयोग करके इस लाकॅड. ाउन के समय अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाया जा सकता है।

1990 के दशक में प्रारम्भ हुई ई–लर्निंग की क्रान्ति ने दशकों से चली आ रही शिक्षण पददति के कायापलट की रूपरेखा तैयार कर ली है। यह भारतीय शिक्षा प्रणाली का बेहतरीन भविष्य साबित हो सकती है। ई–लर्निंग परम्परागत शिक्षा पददति से अधिक लचीली, सुविधाजनक, रचनात्मकता पूर्ण, कम समय में अधिक ज्ञान प्रदान करने पर आधारित है, इसलिए टेक्नोलॉजी प्रेमी की पहली पसन्द बनकर उभरी है। वर्तमान में दुनिया के ज्यादातर देशों के द्वारा ई–लर्निंग पर अध्ययन–अध्यापन का कार्य किया जा रहा है। हालांकि लम्बे समय से दुनिया भर के छात्र ई–लर्निंग स्टडी पहले भी करते आ रहे हैं, लेकिन आज जब कोरोना के कहर से दुनिया अपने घरों में लॉक रहने पर मजबूर है, तब ई–शिक्षा प्रणाली पढाई को जारी रखने में काफी लाभदायक सिद्ध हो रही है। 10वीं–12वीं, से लेकर उच्च स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की घर

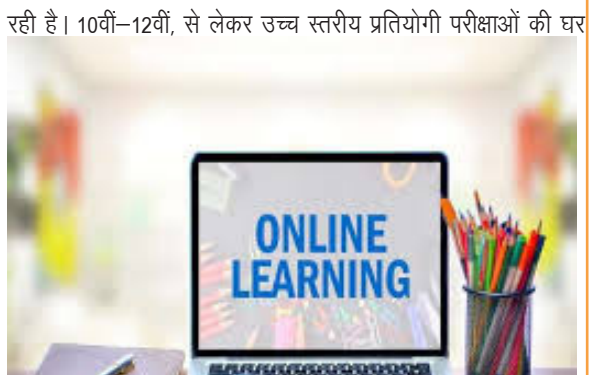

बैठे तैयारी करने का नायाब तरीका आज विश्व के सामने ई–लर्निंग के तौर में मौजूद है। बदलाव का यह दौर तकनीकि के बढ़ते साधनों से सीखने का आसान तरीका है। आने वाला समय तकनीकि के इन बदलाव में और भी सहज होगा। जिससे ई–लर्निंग का चलन और बढेगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कुएं में गिरने से किशोरी की मौत, परिवार में मचा कोहराम.

(अमेठी)।जिले के एक गाँव में घर के पीछे स्थित कुएं में गिरने से 16 वर्षीय किशोरी की मौत हो गयी। गुरुवार की दोपहर अचानक हुए इस हादसे से परिवार में कोहराम मच गया।

मिली जानकारी के मुताबिक घटना कोतवाली क्षेत्र के पूरे साहब बख्स मजरे पिंडारा ठाकुर में गुरुवार की दोपहर लगभग दो बजे हुई। दूधनाथ की 16 वर्षीय पुत्री दुर्गा दोपहर में घर से निकलकर पिछवाड़े की ओर गई थी।कुछ दूर स्थित कुएं में वह अचानक गिर गयी।घर की छत पर खेल रही छोटी बहन ने जब दुर्गा को कुएं में गिरते हुए देखा तो उसने बाबा छोटेलाल को आवाज देकर अन्य परिजनों को बताया। जब तक परिजन कुएं के पास पहुंचकर दुर्गा को कुएँ से बाहर निकालते तब तक उसकी मौत हो गयी थी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्यवाई की।

मूल्यों को मिटाकर बेचने जा रहे थे सीमेंट,चुकानी पड़ी कीमत

(अमेठी)। लॉकडाउन को पालन कराने के लिए अमेठी पुलिस एलर्ट मोड पर काम कर रही है और कोरोना संक्रमण से लोगों को बचाने के लिए उनसे घरों में रहने की अपील भी लगातार की जा रही है।इसी बीच अमेठी कोतवाली पुलिस ने धोखाधड़ी कर अधिक मूल्य पर बिक्री के लिए ले जाए जा रहे 282 बोरी सीमेन्ट के साथ 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।अमेठी पुलिस ने निर्धारित मूल्य से अधिक मूल्य पर सामान बेचने वालों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में बड़ी कामयाबी हासिल की है। अमेठी कोतवाली प्रभारी श्याम सुंदर ने पुलिस टीम के साथ धोखाधड़ी कर बिक्री मूल्यों को मिटाकर अधिक मूल्यों पर बिकने जा रहे ट्रैक्टर ट्राली से 282 बोरी सीमेन्ट के साथ 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पूरे मामले पर अमेठी क्षेत्राधिकारी पीयूष कांत राय ने कहा कि धोखाधड़ी कर बिक्री मूल्यों को मिटाकर अधिक मूल्यों पर बिकने जा रहे ट्रैक्टर ट्राली से 282 बोरी सीमेन्ट के साथ गिरफ़्तार किया गया है और इस मामले पर अमेठी पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है। अमेठी कोतवाली में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्जकर विधिक कार्यवाई की जा रही है।

जिलाधिकारी अखिलेश तिवारी ने किया बनाई गई अस्थाई जेल का निरीक्षण

सीतापुर जिलाधिकारी अखिलेश तिवारी ने गुरूवार को आर0एम0पी0 इण्टर कालेज में बनाये गयी अस्थायी जेल का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को देखा। इसके उपरान्त नवीन चैक पर बाहर से आने वाले लोगों की स्क्रीनिंग, भोजन आदि व्यवस्था का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने महोली तहसील के अन्तर्गत कृषक इण्टर कालेज में बनाये गये क्वारंटीन/राहत स्थल एवं मिश्रिख तहसील में मेला मैदान में बनाये गये रैन बसेरा का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रतिदिन क्वारंटीन स्थलों एवं राहत शिविरों का निरीक्षण सुनिश्चित किया जाये। साथ ही यह निर्देश दिये कि लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला आहार एवं मेन्यू के अनुसार भोजन उपलब्ध कराया जाये। साथ ही योग आदि भी नियमित आयोजन कराये जाने का निर्देश जिलाधिकारी ने दिये।

प्रयागराज से आने वाले 60 छात्रों को किया गया होम क्वारंटीन

प्रयागराज से आने वाले 60 छात्रों की स्क्रीनिंग के उपरान्त उन्हें अपने घर भेज दिया गया तथा उन्हें होम क्वारंटीन में रहने की सलाह भी दी गयी। सभी से इस आशय का घोषणा पत्र भी लिया गया कि वह अगले 14 दिनों तक होम क्वारंटीन में रहेंगे। उन्हें यह भी निर्देश दिये गये कि कोई भी लक्षण प्रदर्शित होने पर तत्काल प्रशासन को अवगत करायेंगे।

बिहार सरकार के खिलाफ आरजेडी बैठी दो घंटे के अनशन पर

पटना । राष्ट्रीय जनता के नेता व कार्यकर्ता बिहार सरकार के खिलाफ दो घंटे के लिए अनशन पर बैठे। बताया गया कि मजदूर दिवस के मौके पर देश के दूरे हिस्सों में फंसे मजूदरों के समर्थन में आरजेडी पूरे बिहार में अनशन पर बैठी है। जिसमें कामगार मजदूरों को काम दिलाने की मांग की गई है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानन्द सिंह ने पार्टी के नेताओं और पदाधिकारियों को इस बाबत कुछ निर्देश भी जारी किए हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि कोरोनाबंदी में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए अपने–घरों में ही विरोध प्रदर्शन करें न कि सड़कों पर या किसी सार्वजनिक स्थानों पर निकलें। बता दें कि छात्रों और कामगारों के मसले पर बिहार विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष व आरजेडी नेता तेजस्वी यादव भी बिहार सरकार पर लगातर हमलावर हैं। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा था कि बिहार सरकार के पास मात्र 600 बसें है। बिहार भर में लगभग 10 हज़ार प्राइवेट बसें हैं। सरकार में इच्छाशक्ति की भारी कमी है। क्या निज़ी बस संचालकों से सरकार ने इस संबंध में वार्ता की? इसके पहले उन्होंने एक और ट्वीट किया था। जिसमें कुछ कटिंग शेयर करते हुए लिखा कि बिहार के ये उपमुख्यमंत्री नीतीश जी के साथ 15 सालों से कुर्सी से चिपके ह। पहले पीएम से मांग करते है फिर कहते है हम असमर्थ,अक्षम है। हमने आज इन्हें 2000 बसें दे दी लेकिन अब कहेंगे कि तेजस्वी यादव ट्रेन चलवा दें क्योंकि हमारी ड़बल इंजन सरकार नकारा है। सब काम तेजस्वी और विपक्ष ही करें। बता दें कि बिहार सरकार ने कहा था कि बस से लोगों को सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से वापस ला पाना संभव नहीं है। दरअसल देश के विभिन्न हिस्सों में फंसे बिहार के कामगारों और छात्रों को वापस लाने के लिए स्पेशल ट्रेन चलाई जाए। केंद्र सरकार को स्पेशल ट्रेन चलानी चाहिए, ताकि बिहार लौटने वाली भीड़ की प्रमंडल स्तर पर स्क्रीनिंग की जा सके। हालांकि सरकार ने ये कहते हुए हाथ खड़े कर दिए थे कि उनके पास इतनी बड़ी संख्या में प्रवासियों को बिहार लाने के लिए संसाधन नहीं हैं।

यूपी में कोरोना संक्रमितों की संख्या 2281 हुई

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में शुक्रवार तक कोरोना संक्रमण के मामलों की संख्या 2281 हो गयी। जबकि एक्टिव संक्रमण के 1685 मामले हैं। वहीं अब तक 41 लोगों की मौत हो चुकी है और 555 लोग स्वस्थ होकर घर जा चुके हैं।

प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने यहां संवाददाताओं को बताया कि अभी तक प्रदेश में संक्रमण के 2281 प्रकरण 63 जिलों से आये हैं। एक्टिव संक्रमण के 1685 मामले हैं। उन्होंने बताया कि कुल 555 लोग पूर्णतया उपचारित होकर अपने घरों को चले गये हैं जबकि 41 लोगों की दुर्भाग्यपूर्ण मौत हुई है। उन्होंने कहा कि कोविड–19 संक्रामक बीमारी है।यह किसी के भी हो सकती है इसलिए अगर लक्षण आते हैं तो घबराये नहीं बल्कि तत्काल स्वास्थ्य केन्द्र में आयें और जांच करायें। प्रदेश सरकार जांच और चिकित्सा की सुविधा निःशुल्क मुहैया करा रही है। उन्होंने कहा कि हेल्पलाइन नंबर 1800–180–5145 पर फोन करें और लक्षणों के आधार पर जितनी जल्दी स्वास्थ्य केन्द्र आएंगे, स्वस्थ होने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। उन्होंने बताया कि जिनकी अधिक उम्र है, ऐसे कोरोना पाजिटिव मरीज भी बिल्कुल ठीक होकर जा रहे हैं या जो पहले से गंभीर बीमारियों के शिकार थे, वे भी पूर्णतया उपचारित होकर गये हैं। उन्होंने बताया कि कल प्रयोगशालाओं में 4177 सैम्पल की टेस्टिंग की गयी जबकि 3740 नये सैम्पल भेजे गये। प्रदेश में पूल टेस्टिंग लगातार हो रही है। पूल टेस्टिंग शुरू करने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य था। प्रसाद ने बताया कि कल 349 पूल की टेस्टिंग की गयी है और पूल में 1649 सैम्पल लगाये गये। इनमें से आठ पूल पाजिटिव पाये गये। टेली परामर्श के बारे में प्रसाद ने कहा कि बहुत से लोग लॉकडाउन के चलते अस्पताल में नहीं जा पा रहे हैं। ऐसे में टेली–परामर्श अधिक से अधिक होना चाहिए।

डकैती की योजना बनाते 75 हजार के इनामिया समेत चार शातिर बदमाश गिरफ्तार.

(अमेठी)। पीपरपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गांव के बाहर बने एक अर्धनिर्मित मकान में छापा मारकर डकैती की योजना बनाते 75 हजार के इनामिया समेत चार शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया।बदमाशो के पास से दो पिस्टल पांच जिंदा कारतूस और दो मोटरसाइकिल समेत लूट का 65 सौ रुपए बरामद हुआ।पुलिस के हत्थे चढ़े बदमाशों के मुखिया तपन मिश्रा के ऊपर अलग–अलग जनपदों में दो दर्जन गंभीर आपराधिक मामले दर्ज है जबकि उसके एक साथी के ऊपर एक दर्जन आपराधिक मामले दर्ज है।तपन मिश्रा समेत उसके सभी साथी प्रतापगढ़ जनपद के रहने वाले है, जिनकी तलाश एसटीएफ समेत कई जिलों की पुलिस कर रही थी। तपन ने कुछ महीने पूर्व अमेठी के अलग–अलग थानों में लूट की दो बड़ी घटनाओं को अंजाम देने के बाद से फरार चल रहा था। गिरफ्तार करने वाली टीम को एसपी ने इनाम देने की घोषणा की है।

मामला पीपरपुर थानाक्षेत्र के रामचन्द्रपुर गांव का है। जहां देर शाम स्थानीय पुलिस को सूचना मिली कि गांव के बाहर निर्माणाधीन मकान में कुछ बादमाश मौजूद है जो किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे है।मुखबिर द्वारा सूचना मिलते ही हरकत में आई पीपरपुर पुलिस ने टीम के साथ छापा मारकर सभी बदमाशो को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के दौरान बदमाशों के पास से दो पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस और दो मोटरसाइकिल, दो चाकू समेत लूट का 6500 रुपए बरामद हुआ। पुलिस के हत्थे चढ़े बदमाशों के मुखिया तपन मिश्रा के ऊपर अमेठी में 50 हजार जबकि जौनपुर में 25 हजार का इनाम घोषित था। तपन ने इसी साल अपने साथियों के साथ मिलकर अमेठी में लूट की दो बड़ी घटनाओं को अंजाम देने के बाद से फरार चल रहा था। तपन ने अपने साथियों के साथ मिलकर प्रयागराज, प्रतापगढ़,भदोही जौनपुर अमेठी में कई बड़ी घटनाओं को अंजाम दिया था, जिसकी तलाश इन जिलों की पुलिस के अलावा एसटीएफ भी कर रही थी। वही मामले का खुलासा करते हुए अमेठी एसपी ने कहा कि पुलिस को

बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चार शातिर बदमाशो को गिरफ्तार किया है। इस गैंग के मुखिया के ऊपर 75 हजार का इनाम घोषित है जिसने इसी साल मुंशीगंज और कमरौली थानाक्षेत्र में लूट की दो बड़ी घटनाओं को अंजाम दिया था जिसके बाद इसके ऊपर अमेठी में 50 हजार का इनाम घोषित किया गया था जबकि जौनपुर में इनके ऊपर 25 हजार का इनाम घोषित था। इसकी तलाश कई जिलों के अलावा एसटीएफ को भी थी। गिरफ्तार करने वाली टीम को इनाम दिया जाएगा।

आरा में जमीन विवाद में हुई अंधाधुंध फायरिंग, एक की मौत

आरा । आरा में पूर्व के जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में हिंसक झड़प हुई है। इस दौरान दोनों ही ओर से जम कर मारपीट व गोलीबारी की गई। इस अंधाधुंध फायरिंग के दौरान महिला समेत चार लोगों को गोली लग गई। वहीं एक युवक की मौके पर मौत हो गई।

बताया गया कि मृतक संदेश थाना क्षेत्र के सुरूंगापुर गांव निवासी 40 वर्षीय संजय सिंह हैं जो कि जियो मोबाइल कंपनी में डीआरएस थे। वही, गोली लगने से अन्य तीन लोग बुरी तरह जख्मी हो गए हैं। जिनका इलाज फिलहाल आरा सदर में कराया जा रहा है।

इस घटना की सूचना मिलते ही संदेश थाना पुलिस मौके पर दल बल के साथ पहुंची और पूरे मामले की छानबीन की। इस छापेमारी में गोलीबारी की घटना में शामिल आरोपियों को पुलिस ने पिस्टल के साथ गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि ये सभी घटना को अंजाम देकर गांव से भाग रहे थे। बताया जा रहा है कि गोली लगते ही संजय सिंह की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी,जबकि अन्य तीन लोग बुरी तरह जख्मी हो गए।

जिन्हें स्थानीय लोग व परिजनों द्वारा तत्काल आनन फानन में इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया, जहां सभी घायलों का इलाज चिकित्सकों की देखरेख में इलाज चल रहा है। जख्मी हुए लोगों ने बताया कि सत्रह बीघा जमीन को लेकर विवाद हुआ है, जबकि आरा

सिविल कोर्ट द्वारा उक्त जमीन का बंटवारा भी हो चुका है। जख्मी लोगों ने बताया कि वो जमीन हम लोगों के हक में मिली थी। जिसको जोतने के लिए पहुंचे हुए थे। तभी गांव के नामजद लोगों द्वारा मारपीट करते हुए फायरिंग कर दी। फिलहाल पुलिस इस मामले में जांच कर रही है।

कोरोना महामारी के रोकथाम एवं बचाव हेतु जन जागरूकता कार्यक्रम

ब्यूरो । सीतापुर महामारी के रोकथाम एवं बचाव हेतु जन जागरूकता फैलाने के उद्देश्य पुलिस उपमहानिरीक्षक/पुलिस

अधीक्षक जनपद सीतापुर महोदय द्वारा जनपद में तैनात पुलिस कर्मियों व प्रशिक्षणरत प्रशिक्षुओं के मध्य दिनांक–22–04–2020 को ए क रुकाव्य लेखन प्रतियोगिता कराई गई।जिसके क्रियान्वयन कराने हेतु क्षेत्राधिकारी नगर श्री योगेंद्र सिंह की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया गया। जिसमें प्रभारी निरीक्षक डीस. 'आरबी श्री धर्मराज उपाध्याय को सदस्य नामित किया गया। आज दिनाँक–01–05–2020 को महोदय द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को 5000 रुपये द्वितीय स्थान 2500 रुपये तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 1500 रुपये नगद पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया गया। प्रतिभाग करने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को उत्तम प्रविष्टि प्रदान की गई तथा सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।'

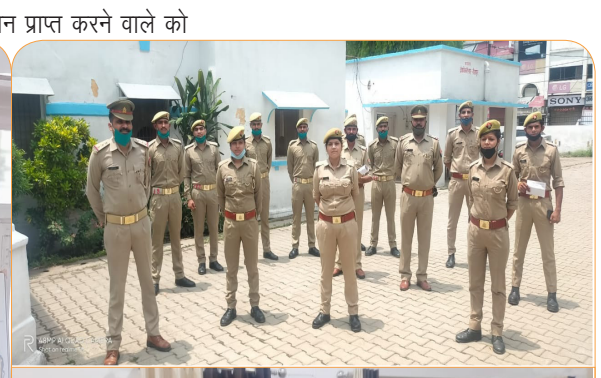

उत्तराखंड पुलिस ने पकड़ी एक महीने में 1100 लीटर शराब

देहरादून । उत्तराखंड में पुलिस ने एक महीने में करीब एक करोड़ रुपये की शराब जब्त की है। बता दें कि शराब की तस्करी उत्तराखंड की उत्तराखंड के अंदर ही हो रही है। दरअसल, लॉकडाउन के चलते राज्य में शराब की सभी दुकानें 22 मार्च से बंद हैं और इसके एक महीने के अंतराल में पुलिस ने करीब एक करोड़ रुपये कीमत की करीब 1100 लीटर शराब पकड़ ली है। पुलिस ने राज्य के अलग–अलग थानों में शराब तस्करी के 494 मुकदमे दर्ज कर 566 लोगों को गिरफ़्तार किया है। इसके अलावा शराब तस्करी में लाए गए 120 वाहनों को भी सीज़ किया है।उत्तराखंड पुलिस के महानिदेशक अशोक कुमार ने बताया कि लॉकडाउन में शराब तस्करों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है और इसीलिए इतनी बड़ी मात्रा में शराब पकड़ी जा रही है। दरअसल, लॉकडाउन में शराब की दुकानों और गोदामों को आबकारी विभाग ने सील कर दिया है फिर भी राज्य में राज्य की शराब की तस्करी हो रही है। आबकारी आयुक्त सुशील कुमार का ने कहा कि विभाग भी लगातार शराब तस्करी पर कार्रवाई कर रहा है, लेकिन लॉकडाउन के बाबजूद बड़ी मात्रा में शराब का पकड़े जाना कहीं न कहीं आबकारी विभाग पर तो सवाल खड़े करता ही है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है।

अब स्कूल मैनेजमेंट नहीं बना सकता किताब खरीदने का दबाव

देहरादून । उत्तराखंड में प्राइवेट स्कूलों की तरफ से अभिभावकों पर महंगी किताबों के बढ़ते दबाव को देखते हुए शिक्षा विभाग ने बड़ी पहल की है। विभाग ने अब सभी सरकारी और निजी स्कूलों में एनसीईआरटी के अलावा दूसरी किताबों पर रोक लगा दी गयी है। जानकारी के अनुसार, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के लेवल पर जांच की जाएगी जिसके बाद ही प्राइवेट पब्लिशर की किताबों को सहायक किताब के रूप में मान्यता दी जाएगी। इस बारे में अपर निदेशक गढ़वाल महावीर सिंह ने कहा कि फिलहाल एनसीईआरटी से पब्लिश की जा रहीं किताबों को ही खरीदा जा सकता है। उन्होंने बताया कि स्कूल मैनेजमेंट इन किताबों के साथ प्राइवेट पब्लिशर की किताबों को सहायक के रूप में खरीदने का दबाव नहीं बना सकता है।

अस्पताल के सफाईकर्मियों को नहीं मिल रही पीपीई किट

नोएडा । नोएडा के एक सरकारी अस्पताल में करीब 12 सफाईकर्मियों ने व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों की कमी का आरोप लगाया है। इसके साथ ही सफाईकर्मियों ने जिला मजिस्ट्रेट के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया है। इस पर जिला मजिस्ट्रेट सुहास एलवाई ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। साथ ही उन्होंने सफाईकर्मियों को सुरक्षा किट मुहैया कराए जाने का आश्वासन दिया है। सफाईकर्मी नीरज कुमार ने कहा कि ''जिला अस्पताल में हमारा शोषण किया जा रहा है। हमारे लिए कोई सुविधा नहीं है। वे किट (सुरक्षा उपकरण) के नाम पर हमें प्लास्टिक देते हैं और हमसे कोविड–19 के मरीजों वाले वार्ड में काम करने को कहते हैं। अधिकारी हमसे कहते हैं कि काम करना है तो करो, नहीं तो चले जाओ।'' इस पर जिला मजिस्ट्रेट कहा कि संबंधित अधिकारियों को इन कोरोना योद्धाओं को पीपीई मुहैया कराने का आदेश दिया गया है। साथ ही उन्होंने वेतन बढ़ाए जाने की उनकी मांग राज्य सरकार तक पहुंचाने का आश्वासन भी दिया। बता दें कि आगरा में फिर से एक साथ कोरोना वायरस संक्रमण के दर्जनों नए मामले सामने आए हैं। 12 अप्रैल तक जिस 'आगरा मॉडल' की चर्चा हो रही थी, अब वह सवालों के घेरे में है। क्योंकि पिछले 18 दिनों से कोरोना की चेन को तोड़ने में जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग नाकाम साबित हो हुआ है। शुक्रवार को 17 नए मामले सामने आने के बाद अब संक्रमितों की संख्या 500 के करीब पहुंच गई है। अब आगरा में 496 लोग संक्रमित हैं।

जानवरों और पक्षियों का पेट भरने के लिए आगे आए छात्र

लखीमपुर खीरी । लखीमपुर खीरी जिले में कोरोना महामारी में इंसान और बेजुबान जानवरों की भूख मिटाने का एबीवीपी छात्र संगठन ने जिम्मा उठाया है। बता दें कि एबीवीपी के सभी छात्र सुबह होते ही कार्यालय पर पहुंचकर अपनी रसोई की कमान संभाल लेते हैं। सभी छात्र मिलकर पहले भोजन तैयार करते हैं फिर मिट्टी के बर्तनों में पक्षियों के लिए भोजन बनाते हैं। भोजन तैयार होते ही ये सभी छात्र अपनी अपनी बाइकों से शहर के कोने कोने में फैलकर रोज करीब एक हजार लंच पैकेट लोगों के घरों तक पहुंचाते हैं। कोई पक्षी भूखा न रहे इसका भी खास ख्याल रखा जा रहा है। पक्षियों के लिए जगह जगह मिट्टी के बर्तनों में दाना और पानी की व्यवस्था भी पर्याप्त मात्रा में की जाती है। एबीपी के छात्र नेता ने बताया कि हम छात्रों को लगा इस समय कहीं ना कहीं देश की सरकार और लोगों की मदद में हम छात्रों को मदद करने के लिए आगे आना चाहिए। इसलिए हम लोगों ने भूखे लोगों के लिए भोजन बनाने का जिम्मा उठाया है।

आगरा में चार संक्रमित महिलाओं की हुई डिलीवरी

आगरा । आगरा में कोरोना संक्रमित चार महिलाओं का सफल प्रसव भी कराया गया है। दरअसल, एसएन मेडिकल कॉलेज में कोरोना संक्रमित प्रसूताओं के प्रसव कराए जा रहे हैं। बता दें कि कोरोना संक्रमित चौथी डिलीवरी हुई है। संक्रमितमहिला ने बेटे को जन्म दिया है। इससे पहले तीन और कोरोना संक्रमित महिलाओं के ऑपरेशन हो चुके हैं। दरअसल यूपी के सर्वाधिक प्रभावित शहरों में से एक आगरा में कोरोना संक्रमण की चेन का न टूटना एक बड़ी समस्या बनी हुई है। यहां 12 अप्रैल तक जिस 'आगरा मॉडल' की चर्चा हो रही थी, अब वह सवालों के घेरे में है। क्योंकि पिछले 18 दिनों से कोरोना की चेन को तोड़ने में जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग नाकाम साबित हो हुआ है। वहीं, यहां शुक्रवार को 17 नए मामले सामने आने के बाद अब संक्रमितों की संख्या 500 के करीब पहुंच गई है। इसके अलावा यहां अभी तक 15 लोगों की मौत कोरोना संक्रमण की वजह से हो चुकी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोशल डिस्टेंसिंग एक लग्जरी है: हुमा कुरैशी

अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने सोशल डिस्टेंसिंग का अभ्यास को लग्जरी बताया है। उनका कहना है कि इस वक्त हमें उन लोगों के बारे में सोचने की जरूरत है, जिनके पास रहने के लिए या तो एक छोटा सा घर है या वह भी नहीं है और इस मुश्किल घड़ी में वे किस तरह से अपना गुजर बसर कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि सोशल डिस्टेंसिंग एक लग्जरी है, कुछ ऐसा जो आपके और हमारे पास है। ऐसे कई सारे लोग हैं, जिनके पास यह नहीं है और हमें उनके बारे में वाकई में सोचने की जरूरत है। अभिनेत्री ने हाल ही में इस विषय पर भी बात की कि सड़कों पर रहने वाले बच्चों के लिए चिंता करना कितना महत्वपूर्ण है, जिन पर जारी इस महामारी में खतरा बहुत ज्यादा है। हुमा ने हाल ही में बच्चों की सुरक्षा के लिए एक गैर–लाभकारी संगठन और उनके 21 दिवसीय अभियान की ओर मदद का हाथ बढ़ाया, जिसका लक्ष्य पूरे भारत में सड़कों पर रहने वाले बीस लाख से अधिक बच्चों पर ध्यान केंद्रित करना था। वह इस एनजीओ द्वारा शुरू किए गए एक टेलीथॉन में भी शामिल हुई थीं, जिसका नाम 'मेकिंग द इनविजिबल विजिबल' था।

हनी सिंह बोले कलाकार की शक्ति उसके फैंस हैं

कोरोना वायरस के कारण लागू लॉकडाउन में अन्य सेलीब्रिटीज के तरह मशहूर रैपर यो यो हनी सिंह भी अपने घर में बंद है। इस दौरान वह लगातार सोशल मिडिया पर एक्टिव रहते हैं। दरअसल, उनको लगता है कि किसी कलाकार के लिए उसकी सबसे बड़ी ताकत उसके प्रशंसक ही हैं और उन्हें इस बात की खुशी है कि सोशल मीडिया के माध्यम से वह अपने प्रशंसकों संग जुड़े रह सकते हैं। हनी सिंह ने कहा हि षकिसी कलाकार की सबसे बड़ी ताकत उसके प्रशंसक हैं, यह उनके निरंतर प्यार और समर्थन का ही नतीजा है, जिसके चलते मैंने अपने पसंदीदा काम को करना जारी रखा है।ष बता दें कि प्रशंसकों संग जुड़े रहने के लिए कॉमेडी स्टार कपिल शर्मा के साथ हनी सिंह भी हेलो में शामिल हुए हैं, जो भारत में प्रचलित एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है। हनी ने कहा कि ष्मुझे खुशी हैं कि हेलो एक ऐसा मंच है, जहां लोग अपनी पसंदीदा भाषा में मुझसे जुड़ पाएंगे। कई चीजों के माध्यम से अपने फॉलोअर्स का मनोरंजन करने के साथ ही साथ मुझे आने वाले समय में अपने हेलो फैंस के साथ कुछ यादगार लम्हें बिताने का इंतजार है।

ग्रेसी सिंह का समुद्र किनारे डांस

बॉलीवुड अभिनेत्री ग्रेसी सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस के अवसर पर समंदर के किनारे डांस करने के अुनभव को रोमांचक बताया है। दरअसल भरतनाट्यम में प्रशिक्षित ग्रेसी बचपन से ही

इस क्षेत्र में एक परफॉर्मर रह चुकी हैं और उन्हें कला के एक रूप में नृत्य का आनंद लेना खूब भाता है। इस अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस के अवसर पर अभिनेत्री ने समंदर के किनारे अपने अभ्यास सत्र को याद किया।

ग्रेसी ने कहा षजिंदगी की कुछ यादें हमें लहरों की तरह छूती हैं। समंदर के किनारे डांस करना मेरे लिए एक रोमांचक और जादुई अनुभव रहा है।

मुझे अलग–अलग मुद्राओं में संतुलन स्थापित करने की कला में महारत हासिल है और इस बात की मुझे बहुत खुशी भी थी।

समंदर के लहरों की आवाजें एक लय बन गई और नरम, बारीक रेत को मैंने अपने पैरों के नीचे एक तकिए की तरह से महसूस किया। उस दिन मुझे एहसास हुआ कि प्रकृति की छांव में नृत्य करना कितना निर्मल और शुद्ध है।

कृति सैनन की घरेलू हिंसा पर कविता

देशव्यापी लॉकडाउन के बीच बढ़ते घरेलू पीरियड में देश में घरेलू हिंसा के केस दोगुने हो गए हैं। इनमें से 700 केस पंजाब के हैं। और ये वो हैं जिन्हें रजिस्टर करवाया गया है। सोचिए अब तक कितने ऐसे हैं जिनकी शिकायत तक नहीं करवाई गई होगी। अपने लिए खड़े हो जाओ।

ये ठीक नहीं है कि कोई आपको फिजि. कली तकलीफ दे। चाहे जो भी वजह हो ये ठीक नहीं है।ष उन्होंने आगे कहा कि ष्अगर आपके साथ घरेलू हिंसा होता है तो आप रिपोर्ट करें। मैंने इस कविता को तब लिखा जब एक दिन हमारी हाउस हेल्पर मेरी मां को अपनी कहानी बता कर रो रही थी। हिंसा के मामलों देखकर अभिनेत्री कृति सैनन ने सोशल मीडिया पर एक कविता का पाठ किया। उन्होंने कहा घरेलू हिंसा ठीक नहीं है।

उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कविता सुनाते हुए वीडियो शेयर किया है। इसमें कृति ने कहा कि ये कविता उन्होंने काफी पहले 11वी क्लास में लिखी थी मगर क्योंकि वो इसके बारे में काफी सा. `चती हैं इसलिए उन्हें ये अब तक याद है। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा कि ष्खुद के लिए खड़े हों और रिपोर्ट दर्ज करवाएं.. क्योकिं इट्स नॉट ओके। क्योंकि लॉकडाउन

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना वॉरियर्स से दुव्यर्वहार में 300 मुल्जिमों को पकड़ा

जयपुर । प्रदेश में कोरोना संक्रमण की वैश्विक आपदा को ध्यान में रखते हुए राजस्थान पुलिस द्वारा लॉकडाउन एवं कफ्र्यू के प्रावधानों की सख्ती से पालन करवायी जा रही है । कोरोना वारियर्स की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कोरोना वारियर्स के साथ दुव्र्यवहार के मामले में अब तक 300 से ज्यादा मुल्जिमों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध बी एल सोनी ने बताया कि कोरोना वारियर्स चिकित्सा एवं स्वास्थ्य , पुलिस व सफाई आदि विभागों से जुड़े कर्मचारी आमजन को महामारी से बचाने के लिए तत्परता से कार्य कर रहे हैं। इनके साथ मारपीट की घटनाओं को सख्ती से डील किया गया है। उन्होंने बताया कि इन मामलों में अब तक 300

से ज्यादा व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। इन मामलों में प्रत्येक मुकदमे का पुलिस अधीक्षक एवं रेंज आईजी स्तर पर सुपरविजन किया जा रहा है। साथ ही मुख्यालय स्तर पर महानिरीक्षक अपराध को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रत्येक जिले में पुलिस अधिकारियों को नोडल अधिकारी बनाकर उनके नाम और मोबाइल नंबर जिला नियंत्रण कक्षों में दिए गए हैं। सोनी ने कहा कि सर्वेक्षण या क्वारन्टीन के लिए आने वाले कोरोना वारियर्स आमजन की सुरक्षा के लिए है। इनके साथ सम्मान पूर्वक व्यवहार अपेक्षित है। उन्होंने आमजन से कर्फ्यू लॉकडाउन की पालना करने की अपील की।

काम करने आये मजदूर ने चुराया था ट्रेक्टर

जबलपुर, मझौली थानांतर्गत एक घर के सामने से चोरी गया ट्रेक्टर पुलस ने आरोपी की निशानदेही पर हिनौता पाटन से बरामद कर लिया है। पकड़ा गया आरोपी मझौली में मजदूरी करने आया था। आरोपी घटना के दिन से ही गायब था। मझौली पुलिस ने बताया कि ग्राम बचैया बहोरीबंद निवासी राजेश दाहिया ने कल शाम 4 बजे खेती कटने के बाद नीले रंग का ट्रेक्टर अपने साले मनोज दाहिया के घर के सामने रख दिया था। किसी अज्ञात चोर ने दरमियानी रात ट्रेक्टर पार कर दिया था। चूंकि मजदूरी करने आया विजय पटेल घटना के बाद से ही गायब था। लिहाजा उसी पर संदेह ठहरा था। पुलिस दल ने जब कुण्डम के ग्राम सदाफल में दबिश देकर विजय को अभिरक्षा में लिया तो उसने पूछताछ के दौरान ट्रेक्टर चोरी कर हिनौता पाटन में रखना बताया। पुलिस ने आरोपी विजय पटेल की निशानदेही पर ट्रेक्टर बरामद कर लिया है।

कोटा में फंसी बिहार की छात्राओं ने नीति सरकार को कोसा

जयपुर । शिक्षण नगरी कोटा में पढ़ रहे बिहार के छात्र छात्राओं की लॉकडाउन के बीच वापसी ना होना बिहार सरकार की मुसीबत बनती जा रही है कोटा में पढ रहे छात्र छात्राओं ने सरकार के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि जब यूपी, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र जैसे छात्र छात्रों को उनकी सरकारों ने घर लौटने का इंतजाम किया तो उसी के तहत कोटा में पढ रहे छात्राओं ने बिहार के मुख्यमंत्री के नीतिश कुमार को लेकर नाराजगी जताई है।

दरअसल, कोटा में फंसे बिहार के छात्राओं का सब्र टूटने लगा है बिहार के कोचिंग स्टूडेंट्स कोटा में फंसे हैं और अपनी सरकार से बार–बार गुहार लगा रहे हैं कि उन्हें उनके घर पहुंचाया जाए लेकिन बिहार सरकार ने यह कहते हुए पल्ला झाड़ लिया कि जो आना चाहता है, प्राइवेट टैक्सी कर कर बिहार आ सकता है. इस पर कोचिंग छात्राओं का गुस्सा फूटा है। कोचिंग छात्राओं का कहना है कि हम लड़कियां हैं. प्राइवेट टैक्सी चालक पर किस तरह से भरोसा कर सकते हैं. हमारी सेफ्टी का क्या? साथ ही छात्राओं का यह भी कहना है कि जब दूसरी

सरकारें अपने राज्य के बच्चों को वापस बुलाने के लिए बसें भेज सकती हैं तो नीतीश सरकार क्यों नहीं? क्या नीतीश सरकार के पास पैसा नहीं है? या फिर बच्चों को बुलाने के लिए बसें नहीं हैं? या सिर्फ वोट मांगते वक्त ही बिहार के स्टूडेंट्स का ख्याल आता है. टैक्सी वाले 40,000 मांग रहे हैं. 40,000 कोई छोटी रकम नहीं होती. हम मिडिल क्लास स्टूडेंट्स हैं. हम 40,000 खर्च करके कैसे बिहार जा सकते हैं? साथ ही सेफ्टी की भी कोई गारंटी नहीं.अगर नीतीश सरकार इसी तरह से अपने फैसले पर अड़ी रहती है तो इसका जवाब हम अपने वोट की ताकत से देंगे।

परिचित ने यूवती को बनाया हवस का शिकार , गर्भवति होने पर खुला राज़

भोपाल। राजधानी के कोलार थाना इलाके में एक परिचित आरोपी ने युवती को पहले तो जान से मारने की धमकी देकर :उसे अपनी हवस का शिकार बना डाला। बाद मे पीडिता ने जब मामले की जानकारी परिजनों को देने की बात की तो आरोपी ने उसे शादी का झांसा देकर चुप करा दिया। अब पीडिता के गर्भवति हो जाने पर आरोपी ने उससे शादी करने से इनकार कर दिया। इसके बाद पीडीता ने परिजनों के साथ में थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया। थाना पुलिस के अनुसार 19 वर्षीय पीडिता नौवीं कक्षा तक पढ़ी है। फिलहाल घर में रहकर मां के साथ घरेलू कामकाज में हाथ बंटाती है। उसके पिता मजदूरी कार्य करते हैं। लड़की ने पुलिस को बताया कि आरोपी राजेश पिता धूम सिंह उसी के गांव का रहने वाला है। फिलहाल वह राजस्थान में नौकरी करता है। दोनों के बीच बीते दो सालों से परिचय था। आरोप है कि बीती 12 दिसंबर 2019 को आरोपी अपने घर आया हुआ था। उसने पीडिता को मिलने के लिए कोलार में स्थित एक गांव में सूनसान स्थान पर बुलाया था। वहां बदमाश ने यूवती को डरा धमकाकर उसके साथ बलात्कार कर दिया। इसके बाद आरोपी ने कई और बार युवती के साथ ज्यादती की। विरोध करने पर आरोपी उसे जल्द शादी करने का झांसा देने लगा। बताय गया है कि अब पीडिता गर्भवति हो गई। उसने इस बात की जानकारी आरोपी को देते हुए उसपर शादी करने का दबाव डाला जिसपर आरोपी ने उसके साथ शादी करने से साफ इनकार करते हुए पीडीता के चरित्र को लेकर कई आपत्तिजनक बातें की। इसके बाद युवती थाने जा पहुची जहॉ पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करते हुए उसकी तलाश शुरु कर दी है।

पन्ना टाइगर रिजर्व में हथिनी मोहनकली ने मादा बच्चे को जन्म दिया।

एक ही परिवार के सात पर प्रकरण दर्ज भीड़ लगाने से रोका तो पुलिस से उलझे

जबलपुर,। कोरोना वायरस संक्रमण के चलते शहर में टोटल लॉक डाउन 3 मई तक लागू है। इस दौरान पुसिल सोशल डिस्टेंसिंग बनाने का दिन–रात प्रयास कर रही है। सोशल डिस्टेंसिंग बनाने के प्रयास में लगी पुलिस को शहर के हनुमानताल क्षेत्र में एक परिवार से जबरिया विरोध का सामना करना पड़ा।

शहर में कई क्षेत्र ऐसे हैं जहां सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने पर विवाद की स्थिति निर्मित हो रही है, गुरूवार को हनुमानताल के मदार टेकरी क्षेत्र में भीड़ लगाकर खड़े होने से मना करने पर एक परिवार के सात लोगों ने जमकर हंगामा किया, यहां तक कि पुलिस जब समझाने पहुंची तो उनसे भी विवाद शुरु कर दिया। घटना को लेकर क्षेत्र में कुछ देर तक अफरा–तफरी मची रही, पुलिस ने एक ही परिवार के सात लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया। जैसे ही लोगों ने विवाद शुरू किया कई थानों की पुलिस मोबाइल सायरन बजाती हुई मंडी मदार टेकरी की ओर दौड़ पड़ीं।

इस संबध में पुलिस ने बताया कि मंडी मदार टेकरी मैदान में रहने वाले एक ही परिवार के सात लोग अपने घर के सामने भीड़ लगाकर खड़े थे, इस दौरान पुलिस पहुंच गई, पुलिस इन सभी लोगों को सोशल डिस्टेसिंग का पालन करने के लिए कहा, लाउड स्पीकर से अपील भी की, लेकिन सभी लोग मानने के लिए तैयार नहीं थे, यहां तक कि पुलिस से ही विवाद पर उतारु हो गए, देखते ही देखते मंडी मदार टेकरी मैदान में हंगामा होने लगा, परिवार के अलावा अन्य लोग भी आ गए, जो पुलिस से विवाद करने पर उतर आये, परिवार के इस रवैए को देखते हुए पुलिस ने सभी सात लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। इस दौरान कई थानें का पुलिस बल मौके पर पहुंच गया था।

दूसरी ओर पुलिस अधिकारियों ने जनता से अपील की है कि वर्तमान समय है धैर्य और अनुशासन बनाये रखने काए संस्कारधानी जबलपुर के वासियों ने पिछले 40 दिनों से लॉक डाउन का पालन करते हुये बहुत ही धैर्य और अनुशासन बनाये रखा है, आगे भी बनाये रखेंगे, ऐसा पूरा विश्वास है. कोरोना के चक्र को तोडने का सबसे अच्छा तरीका सामाजिक दूरी है जिसे आप बनाये रखेंगे, इसके साथ ही दूसरा जो गोल्डन फार्मूला है वो है अपनी पर्सनल हाईजीन, जिसका भी आप ध्यान रखेंगे,आप अपनी सफाई, अपने घर की स्वच्छता पर विशेष फोकस करेंगे,यह सब आप करेंगे तो निश्चित ही पूरा जबलपुर कोरोना के चक्र को तो. डने एवं कोरोना के प्रसार को रोकने में सफल होगा।

लाकडाउन में मूर्तिकार नई पीढ़ी को सिखा रहे मूर्तिकला

जबलपुर, । जबलपुर के मूर्तिकार इस समय लाकडाउन का सदुपयोग करने अपनी नई पीढ़ी को मूर्ति कला की बारीकियों से अवगत करा रहे हैं द्य यह जानकारी सम्भागीय मूर्तिकार संघ के संरक्षक शरद अग्रवाल ने देते हुए बताया कि कोरोना वायरस के कारण देश में छाई आपदा के समय का सदुपयोग कर मूर्तिकार अपनी कला और ज्ञान से नई पीढ़ी को पारंगत कर रहे हैं ।

यद्यपि अभी मूर्ति वाले त्यौहारों में कुछ समय है लेकिन संघ के अध्यक्ष सीताराम सेन संतोष प्रजापति राकेश चक्रवर्ती जगदीश परिहार आदि ने इस कार्य का शुभारंभ कर दिया है द्य इसमें मिट्टी का चयन कर उसे निर्धारित अनुपात से गीला करना बनाई जा रही प्रतिमा का आकार प्रकार तय कर ढांचा तैयार करना और फिर उसे रंगरोगन कर फाइनल टच देना आदि कला सिखाई जा रही है ।

बच्चे भी इस काम को बड़े उत्साह के साथ सीख रहे है द्य चूंकि सभी मूर्तिकार लाकडाउन का पालन करने के कारण कुछ मूर्तिकारों के पास कच्चा माल नही है इसलिए उन्हें कार्य प्रारंभ करने में दिक्कत भी आ रही है । मूर्तिकार संघ ने जिला प्रशासन से मांग की है कि यदि सम्भव हो तो उन तक कच्चा माल जिसमे प्रमुख रूप से मिट्टी पयारा और लकड़ी का पटिया आदि पहुंचाने की व्यवस्था की जाये।

इंदौर में पहले दौर में 28,33,681 लोगों की स्क्रीनिंग 9 दिन से चल रही स्क्रीनिंग में हर घर को कवर

भोपाल । इंदौर शहर में पहले दौर में 28,33,681 लोगों की स्क्रीनिंग पूरी हुई। कोरोना वायरस के बढते मरीजों को देखते हुए प्रशासन ने पूरे शहर की स्क्रीनिंग कराने का काम पूरा लिया है। शहर भर में करीब 9 दिन तक स्क्रीनिंग का कार्य किया गया, इसमें लगभग हर घर को कवर कर लिया गया है। हालांकि इसमें कुछ इलाकों की बहुमंजिला इमारतें या मल्टियां छुटी हुई हैं, जहां लोगों ने सर्वे टीम को प्रवेश नहीं करने दिया। एक या दो दिन अब दूसरे दौर की स्क्रीनिंग शुरू होगी। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने को लिए इंदौर ने देश के अन्य जिलों और शहरों की तरह डोर–टू–डोर स्क्रीनिंग की पद्धति अपनाई है। इसके तहत हॉट स्पॉट वाले कंटेनमेंट एरिया के साथ साथ उन इलाकों की भी स्क्रीनिंग की जा रही हैं, जहां पॉजिटिव केस नहीं मिले हैं। जिला प्रशासन और नगर निगम ने स्क्रीनिंग के लिए 1600 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताएं, निगमकर्मी, एनजीओ के सदस्य और शिक्षकों को मैदान में उतारा है। हर टीम एक–एक सेक्टर दिया गया। इसमें 207 कंटेनमेंट एरिया शामिल हैं। पूरे शहर की स्क्रीनिंग के दौरान 6013 हाई रिस्क श्रेणी में पाए गए हैं। जिनमें बुखार, सांस की तकलीफ और पॉजिटिव मरीजों के संपर्क में आए लोग शामिल हैं। यह सभी कोरोना संदिग्ध की श्रेणी माने जाएंगे। इनके नाम, पते दर्ज कर लिए गए हैं। डॉक्टर्स इनसे लगातार संपर्क में हैं। दूसरे दौर में भी इसी तरह लोगों की स्क्रीनिंग होगी। प्रशासन की मानना है कि जिनमें अभी तक कोरोनाके लक्षण अभी तक नहीं उभरे हैं, वे भी अगली स्क्रीनिंग दौर में सामने आ जाएंगे। इस तरह से हम उन कोरोना संक्रमित मरीजों का इलाज करवा सकेंगे। कुछ दिन पहले ही जिला प्रशासन ने शहर के कंटेनमेंट एरिया में दोबारा स्क्रीनिंग की शुरुआत कर दी थी। अब कुछ और कंटेनमेंट क्षेत्रों में भी दोबारा स्क्रीनिंग की टीम पहुंचने लगी है। जिला पंचायत सीईओ ने बताया कि पहले रानीपुरा, टाटपट्टी बाखल और खजराना क्षेत्रों में दूसरे दौर की स्क्रीनिंग शुरू की गई थी लेकिन एक–दो दिन में टीम अहिल्या पल्टन, खातीवाला टैंक, नयापुरा और जूना रिसाला समेत कुछ अन्य कंटेनमेंट एरिया में भी पहुंचने लगी हैं। रैपिड रिस्पांस टीम ने बढ़ाई सैंपलिंग की क्षमता–शहर में लगातार बढ़ रहे पॉजिटिव मरीजों की संख्या को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग कंटेनमेंट क्षेत्र में जांच के साथ ही सैंपलिंग की भी व्यवस्था कर रहा है। गुरुवार को स्क्रीनिंग के बाद ऐसे 250 लोगों के सैंपल जांच के लिए लिए गए हैं। ये सैंपल सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों सहित शहर के अन्य इलाकों से भी लिए गए हैं। सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में मरीजों के सामने आने और स्क्रीनिंग पूरी होने के बाद अब दूसरी जगह भी टीम ज्यादा मुस्तैदी से काम कर रही है। शहर के अन्य कंटेनमेंट जोन में सर्वे के बाद संदिग्ध मरीज मिलने पर उनकी जांच की जा रही है। इसमें यह देखा जा रहा है कि कोरोना वायरस संक्रमण के लक्षण किसी में दिखाई दे तो उनकी तत्काल स्क्रीनिंग की जा सके।

भोपाल में मौतों का होगा ऑडिट

भोपाल। भोपाल में कोरोना से होने वाली मौतों का ऑडिट कराया जाएगा। इसमें यह देखा जाएगा कि इलाज के दौरान अस्पताल में किसी तरह की लापरवाही तो नहीं हुई। यह भी पड़ताल की जाएगी कि परिजन ने मरीज को अस्पताल लाने में देरी तो नहीं की। कलेक्टर तरुण पिथोड़े ने इसके लिए तीन विशेषज्ञों की टीम बनाई है। इसमें गांधी मेडिकल कॉलेज के पीएसएम विभाग के अध्यक्ष डॉ. डीके पाल, मेडिसिन विभाग के फैकल्टी डॉ. के. देवपुजारी और डब्ल्यूएचओ के कंसलटेंट डॉ. एसएम जोशी शामिल हैं। टीम शुक्रवार से काम शुरू कर देगी। हफ्तेभर में ऑडिट रिपोर्ट तैयार हो जाएगी। टीम के सदस्य डॉ. पाल ने बताया कि कम्युनिटी और फैसिलिटी दोनों स्तर पर ऑडिट किया जाएगा। कम्युनिटी स्तर पर यह देखा जाएगा कि मरीज के अस्पताल पहुंचने में किसी तरह की देरी तो नहीं हुई। उसके कोरोना वायरस से संक्रमित होने की वजह क्या रही। मसलन, ट्रैवल हिस्ट्री, घर में किसी का पॉजिटिव होना आदि। उसे कौन–कौन सी बीमारियां पहले से थीं। इसी तरह से फैसिलिटी आधारित ऑडिट में यह पता किया जाएगा कि अस्पताल पहुंचने पर उसे सभी सुविधाएं व प्रोटोकॉल के मुताबिक इलाज मिला या नहीं। इसके लिए मरीज के स्वजन से भी बात की जाएगी। साथ ही उसकी केस शीट भी खंगाली जाएगी।

सीएम शिवराज का दावा– इंदौर में सुधर रही स्थिति

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कोरोना जांच की जो रिपोर्ट अब आ रही हैं, वह अच्छे संकेत हैं। प्रदेश में गुरुवार को आई जांच रिपोर्ट में कुल दो हजार 617 में से 65 मामले पॉजिटिव आए हैं। इंदौर की स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है। इंदौर के 451 में से दस, भोपाल के एक हजार 275 में से 25 और जबलपुर के 157 नमूनों की जांच में सात पॉजिटिव आए हैं। उज्जैन की 94 जांच में 11 प्रकरण पॉजिटिव मिले हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केंद्र सरकार की नई गाइडलाइन के अनुसार प्रदेश के कोरोना संक्रमित क्षेत्रों को नए सिरे से निर्धारित किया जाए। इसमें अनावश्यक क्षेत्रों को हटाया जाए। संक्रमित क्षेत्रों से आने–जाने पर प्रतिबंध का कड़ाई से पालन कराया जाए ताकि नए क्षेत्रों में कोरोना संक्रमण न फैले। घनी बस्तियों पर विशेष नजर रखी जाए।

प्रदेश के आधे जिले ग्रीन जोन में

इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने बताया कि कोरोना के मरीजों की हालत में भी सुधार हो रहा है। इंदौर में छह मरीज वेंटिलेटर पर हैं। जबकि, भोपाल में एक भी मरीज वेंटिलेटर पर नहीं है। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य मोहम्मद सुलेमान ने बताया कि प्रदेश के आधे जिले ग्रीन जोन में हैं। जबकि, भोपाल, इंदौर और उज्जैन रेड जोन और बाकी ऑरेंज जोन में हैं।

भारी मात्रा में विमल गुटका किया जप्त

गुना। जिले में जिला दंडाधिकारी ने कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव हेतु एवं लॉकडाउन को मद्देनजर बीड़ी, सिगरेट, तम्बाखू, खैनी, गुटखा, जर्दा आदि के विक्रय को पूर्णतः प्रतिवंधित किया गया है।

इसके उपरांत भी नगर में चोरी छुपे तंबाकू उत्पाद बेचे जाने की खबरें आम हो रही थी। इसी क्रम में कैंट पुलिस ने बड़े पैमाने पर गुटखा पान मसाले की कालाबाजारी कर रहे एक व्यापारी की गोदाम से लाखों रुपए कीमती विमल गुटका भारी मात्रा में जप्त किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अशोक पुत्र राजू कोरी निवासी कोलूपुरा अपनी एक्टिवा गाड़ी से विमल के दो बड़े कट्टे लेकर जा रहा था। इसी बीच पुलिस को सूचना लगते ही अशोक को पकड़ कर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने बताया कि वह यह माल ध्रुव इंटरप्राइजेज नामक दुकान जो कि नानाखेड़ी पर स्थित है वहां से लाया है।

कैंट थाना प्रभारी मदन मोहन मालवीय ने अशोक द्वारा बताए गए स्थान पर छापामारी कार्यवाही की गई। पुलिस ने ध्रुव इंटरप्राइजेज नामक गोदाम में रखी विमल गुटखा पान मसाला की 26 बोरे जप्त किए गए। एक बोरे में लगभग 200 पैकेट होना बताए गए। पुलिस के अनुसार जप्त किए गए माल की कीमत लगभग 7 लाख रूपऐ बताई जा रही है। वहीं पुलिस ने ध्रुव इंटरप्राइजेज के संचालक शशांक जैन पर भी तंबाकू की कालाबाजारी करने पर मामला पंजीबद्धध किया है

पॉजिटिव रिपोर्ट आने से शहर वासी दहशत में प्रशासन के फूले हाथ पाव

बुरहानपुर । दाऊदपुरा वार्ड के पूर्व पार्षद की पॉजिटिव रिपोर्ट आने के बाद स्वास्थ विभाग और जिला प्रशासन के द्वारा परिवार सहित क्षेत्र के 53 लोगों की ब्लड सैंपल लेकर जांच के लिए इंदौर भेजा गया था 27 अप्रैल को भेजी गई 53 लोगों की जांच रिपोर्ट मैं से 32 लोगों की नेगेटिव रिपोर्ट गुरुवार शाम आने से प्रशासन ने राहत की सांस ली थी के शुक्रवार की दोपहर शेष रहे 21 लोगों में से 18 लोगों की पॉजिटिव रिपोर्ट की खबर से प्रशासन के हाथ पैर फूल गए हैं तथा शहर में कोरोना वायरस को लेकर दहशत का माहौल हो गया है। इंदौर लैब से मिली जांच रिपोर्ट के बाद स्वास्थ्य विभाग और कोविड.19 महामारी नियंत्रक का अमला हरकत में आ गया है इसको लेकर पॉजिटिव आई लोगों को अस्पताल लाकर आइसोलेशन वार्ड में कोरेंटिन किया जा रहा है। दाऊद पुरा वार्ड के पूर्व पार्षद कि कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट आने के बाद शहर में हडकंप मच गया था प्रशासन ने आनन.फानन में पूर्व पार्षद के निवास सहित पूरे क्षेत्र को कंटेनमेंट एरिया घोषित कर परिवार के सदस्यों सहित उसके संपर्क में आए लोगों की 53 रिपोर्ट जांच के लिए इंदौर भेजी गई थी। गुरुवार देर शाम 53 लोगों की भेजी गई रिपोर्ट में 32 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आने से प्रशासन ने राहत की सांस ली है इसके लिए कोरोना वारियर्स की मेहनत को सलाम किया गया था। लेकिन शुक्रवार दोपहर को 17 लोगों की जांच रिर्पोट पाजिटिव आने से एक बार फिर हडकंप की स्थिति बन गई है, महामारी नियंत्रक का अमला पॉजिटिव आए लोगों के क्षेत्रों को चिन्हित कर कंटेंटमेंट एरिया घोषित करने की तैयारी में लग गया है। शहर के 17 मामले पाजिटिव आने पर अब 3 मई को समाप्त होने वाले लॉक डॉउन पर बुरहानपुर के लिए प्रश्र चिन्ह लगा दिया है।

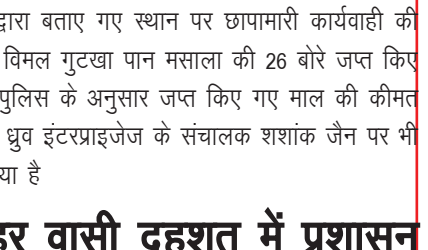

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बेहतरीन अभिनय के लिए जाने जाते थे शम्मी

शम्मी कपूर ने सिनेमा की दुनिया में एक जूनियर आर्टिस्ट के रूप में कदम रखा, उन्हें महीने के 50 रुपये सैलरी मिलती थी और अगले चार साल तक शम्मी कपूर अपने पिता के पृथ्वी थिएटर के पास ही निवास करते थे और साल 1952 में अपनी आखिरी सैलरी 300 रुपये ली थी। 1953 से 1955 के बीच शम्मी कपूर जब श्री लंका में छुट्टी मनाने गए हुए थे तो उनकी मुलाकात विदेशी बैली डांसर और इजिप्टियन एक्ट्रेस 'नादिया गमाल' से हुई और दोनों रिलेशनशिप में आ गए लेकिन कुछ समय बाद नादिया के वापस जाने पर वह रिश्ता टूट गया।

शम्मी कपूर को हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का 'एल्विस प्रेस्ली' कहा जाता था। उन्हें 'तुमसा नहीं देखा', 'दिल देकर देखो', 'सिंगापुर', 'जंगली', 'कॉलेज गर्ल', 'प्रोफेसर', 'चाइना टाउन', 'प्यार किया तो डरना क्या', 'कश्मीर की कली', 'जानवर', 'तीसरी मंजिल', 'अंदाज' और 'सच्चाई' जैसी कई फिल्मों में बेहतरीन अभिनय के लिए जाना जाता है।

रातें' की शूटिंग के दौरान हुई थी। इस फिल्म में शम्मी कपूर लीड रोल में थे लेकिन गीता का इस फिल्म में कैमियो था। इसी दौरान दोनों का प्यार परवान चढ़ा और इसके 4 महीने बाद दोनों ने मुंबई के बाणगंगा मंदिर में शादी कर ली। शादी के एक साल बाद 1 जुलाई 1956 को दोनों एक बेटे के पिता बने। उन्होंने अपने बेटे का नाम आदित्य राज कपूर रखा। इसके लगभग 5 साल बाद साल 1961 में दोनों की एक बेटी हुई जिसका नाम कंचन रखा गया।

अपने जमाने के बेहतरीन अभिनेताओं में शामिल शम्मी कपूर का जन्म 21 अक्टूबर, 1931 को हुआ था। पहले उनका नाम शमशेर राज कपूर था। बाद में वो शम्मी कपूर के नाम से बॉलीवुड में मशहूर हुए। 1948 में शम्मी कपूर ने सिनेमा की दुनिया में एक जूनियर आर्टिस्ट के रूप में कदम रखा, उन्हें महीने के 50 रुपये सैलरी मिलती थी और अगले चार साल तक शम्मी कपूर अपने पिता के थिएटर के पास ही रहा करते थे और साल 1952 में उन्होंने अपनी आखिरी सैलरी 300

अपनी बेटी के जन्म के लगभग 4 साल बाद साल 1965 में गीता का देहांत हो गया। बताया जाता है कि अपनी पत्नी की मौत के बाद शम्मी कपूर काफी टूट गए थे और उन्होंने खाना पीना छोड़ दिया था। उनके बच्चे छोटे थे इसलिए उनके घरवालों ने उनपर शादी का दबाव बनाना शुरू कर दिया। उनके घरवाले चाहते थे कि वो नीला देवी से शादी करें।

पहली पत्नी गीता से शम्मी की मुलाकात साल 1955 में फिल्म 'रंगीन

रुपये ली थी। 1953 में उन्होंने जीवन ज्योति से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। 50 से ज्यादा फिल्म में मुख्य किरदार और लगभग 20 फिल्मों में सहायक भूमिका निभाने वाले शम्मी कपूर ने अपने जीवन में सिर्फ एक बार फिल्मफेयर बेस्ट अभिनेता का अवॉर्ड अपने नाम किया।अगस्त 2011 में तबीयत बिगड़ने के बाद शम्मी कपूर को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां 14 अगस्त 2011 को उनका निधन हो गया।

मनमोहन देसाई,नंदा की जिंदगी रही ट्रैजेडी से भरी

मनमोहन देसाई कमर्शियल फिल्मों के दिग्गज डायरेक्टर माने जाते थे। उन्होंने एक से बढ़कर एक यादगार फिल्में दी हैं। 57 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कहने वाले मनमोहन देसाई की लव स्टोरी किसी ट्रैजेडी से कम नहीं है। वो अभिनेत्री नंदा से बेहद प्यार करते थे और नंदा भी उनसे प्यार करती थीं। नंदा के शर्मीले स्वभाव की वजह से मनमोहन उनसे अपने प्यार का इजहार करने में झिझकते रहे। कुछ समय बाद मनमोहन देसाई ने जीवनप्रभा देसाई से शादी कर ली। साल 1979 में जीवनप्रभा की मौत हो गई।

पत्नी के निधन के बाद मनमोहन देसाई अकेले हो गए। वहीं नंदा भी अपनी जिंदगी में अकेली थीं। इसके बाद मनमोहन ने उनसे प्यार का इजहार किया, नंदा ने हामी भर दी। 1992 में जब मनमोहन देसाई 55 साल के थे और नंदा 53 की थीं, दोनों ने सगाई कर ली। सगाई के दो साल बाद मनमोहन देसाई की अचानक मौत हो गई।

मनमोहन देसाई के निधन की खबर ने पूरे बॉलीवुड को हिला दिया था। उनकी मौत घर की बालकनी से गिरने से हुई थी हालांकि खबरें तो ये भी थीं कि उन्होंने खुदकुशी कर ली। उनकी मौत का राज आज भी रहस्य है।

मनमोहन देसाई की मौत के बाद नंदा पूरी तरह से टूट गईं और उन्होंने शादी नहीं करने का फैसला लिया और अकेले ही जिंदगी गुजार दी। मनमोहन देसाई की मौत के बाद नंदा ने लोगों से मिलना जुलना तक बंद कर दिया था। साल 2014 में नंदा ने दुनिया को अलविदा कह दिया।

छोटे शहरों की इन अभिनेत्रियों ने बनाई बॉलीवुड में पहचान

बॉलीवुड में महानगरों ही नहीं बल्कि छोटे शहरों और गांवों में रहने वाले कई अभिनेत्रियां ने भी अपनी जगह बनाई है। इन अभिनेत्रियां ने कड़ी मेहनत से अपने सपनों का साकार किया है। ऐसी कई अभिनेत्रियां हैं जिन्होंने गांव और कस्बों से निकलकर मायानगरी मुंबई तक का कामयाब सफ़र तय किया है।

अनुष्का शर्मा : अनुष्का शर्मा का जन्म उत्तर प्रदेश के अयोध्या में हुआ था। अयोध्या में आज भी बुनियादी सुविध ााओं को लेकर हालात बहुत बेहतर नहीं है हालांकि, बाद में अनुष्का बैंगलोर चली गयीं क्योंकि उनके आर्मी अफ़सर पिता का ट्रांसफर बैंगलोर हो गया था।

कंगना रनौत : बॉलीवुड की क्वीन कंगना आज जहां हैं वह मुक़ाम पाने के लिए उन्होंने बेहद संघर्ष किया है। कंगना कई बार कैमरे पर यह कह चुकी हैं कि शुरू में उनकी अंग्रेजी की वजह से उनका बहुत मज़ाक उड़ाया जाता था। बाद में उन्होंने अपनी लैंग्वेज और बाकी चीज़ों पर काफी मेहनत की और उस लायक बनीं कि आज आत्मविश्वास से अपनी बात रख सकती हैं। एक से एक कामयाब फ़िल्में करने वाली कंगना मंडी, हिमाचल प्रदेश की हैं।

अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि : मीनाक्षी धनबाद (झारखंड) के सिंदरी में पैदा हुईं, दिल्ली में पली–बढ़ी, मुंबई में काम किया और शादी कर अमेरिका चली गईं। मीनाक्षी 18 साल की उम्र में फ़िल्मों में आईं और सुपरहिट हीरोइन बन गईं। 15 साल तक सिल्वर स्क्रीन इस दामिनी की दमक से रौशन रही है। मीनाक्षी आजकल अमेरिका में रह रही हैं और उन्होंने वहां एक डांस ट्रेनिंग स्कूल खोल लिया है।

प्रियंका चोपड़ा : आज बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक में नाम कमाने वाली प्रियंका का संबंध भी छोटे शहरों से रहा है। प्रियंका का जन्म जमशेदपुर (झारखंड) में हुआ था। बाद में वो बरेली शिफ्ट हो गयीं। बरेली से फिर शुरू हुआ प्रियंका का एक नया सफ़र और आज इस मुक़ाम तक पहुंचा है। ज़ाहिर है उनकी यह यात्रा अभी बहुत दूर तक जाने वाली है।

प्रीति ज़िंटा : प्रीति की बात करें तो प्रीति हिमाचल प्रदेश के शिमला ज़िले में बसे एक छो. टे से गांव रोहरू से निकलकर आज इस मुक़ाम तक पहुंची हैं। उनके पिता दुर्गानंद ज़िंटा एक आर्मी अफ़सर थे। प्रीति जब तेरह साल की थीं, तभी एक सड़क हादसे में उनके पिता की मौत हो गयी थी। ज़ाहिर है प्रीति का शुरुआती सफ़र आसान नहीं था ले. किन, उन्होंने अपनी प्रतिभा और लगन से अपनी एक मज़बूत पहचान बनायी।

विद्या बालन : विद्या बालन की परवरिश केरल के पलक्कड के पुथुर कस्बे में बसे एक छोटे से गांव पूथमकुरुस्सी में हुई है। 'हम पांच' टीवी सीरियल से अपने अभिनय का सफ़र शुरू करते हुए विद्या ने कामयाबी की एक नयी मिसाल कायम की। वास्तव में विद्या बालन छोटे शहर से निकली एक बड़ी स्टार बनी हैं।

मल्लिका शेरावत : इस लिस्ट में अभिनेत्री और मॉडल मल्लिका शेरावत भी शामिल हैं। इन दिनों सोशल मीडिया में छाए रहने वाली मल्लिका भी एक छोटी सी जगह रोहतक, हरियाणा से हैं। फ़िलहाल मल्लिका अपने बॉयफ्रेंड के साथ ज़्यादातर फ्रांस में रहती हैं।

एक्शन फिल्मों के दौर में रूमानी अभिनय के लिए याद रखे जाएंगे ऋषि कपूर

दिग्गज बॉलीवुड अभिनेता ऋषि कपूर का 67 साल की उम्र में गुरुवार को निधन को गया। वह कैंसर से पीड़ित थे कुछ समय पहले ही अमेरिका में इलाज कराकर लौटे थे। ऋषि की पत्नी नीतू सिंह भी अपने जमाने की अच्छी अभिनेत्रियों में शामिल रहीं हैं। ऋषि के पुत्र रणधीर कूपर भी बॉलीवुड में चमकते सितारे के रुप में उभरे हैं। ऋषि के निधन से बॉलीवुड में शोक की लहर फैल गयी। बॉलीवुड के अलावा खेल जगह के साथ ही दिग्गज राजनेताओं ने भी इस अभिनेता को याद किया है।

बॉलीवुड में एक्शन फिल्मों के दौर में भी रूमानी और भावपूर्ण अभिनय के लिए ऋषि कपूर हमेशा याद रखे जाएंगे। भोली भाली सूरत वाले ऋषि ने अपने रूमानी और भावपूर्ण अभिनय से लगभग तीन दशक तक दर्शकों के बीच अपनी अलग ही पहचान बनायी है। चार सितंबर 1952 को मुंबई में जन्में ऋषि को अभिनय की कला पिता राज कपूर से विरासत में ही मिली थी। ऋषि ने अपने अभिनय करियर की शुरूआत अपने पिता की फिल्म ''मेरा नाम जोकर'' से की थी।

फिल्म में अपने दमदार अभिनय के लिये वह राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किये गये। वर्ष 1973 में अपने पिता राज कपूर के बैनर तले बनी फिल्म ''बॉबी'' से अभिनेता के तौर पर ऋषि कपूर को पहचान मिली। इस फिल्म से अभिनेत्री डिंपल कपाडिया ने भी शुरुआत की थी। इस फिल्म की जबरदस्त कामयाबी ने रातों–रात ऋषि कपूर को भी शोहरत की बुंलदियों पर पहुंचा दिया।

फिल्म बॉबी की सफलता के बाद ऋषि की कुछ फिल्में टिकट खिड़की पर असफल रहीं। वर्ष 1975 में प्रदर्शित फिल्म खेल खेल में मिली कामयाबी के बाद ऋषि कपूर बतौर अभिनेता अपनी खोई हुयी पहचान बनाने में कामयाब हो गये। कॉलेज की जिंदगी पर बनी इस फिल्म में ऋषि कपूर की नायिका की भूमिका अभिनेत्री नीतू सिंह ने निभाई। फिल्म खेल खेल में की कामयाबी के बाद ऋषि कपूर और नीतू सिंह की जोड़ी दर्शकों के बीच काफी मशहूर हो गयी। इसके बाद दोने के बीच प्रेम हुआ और दोनो शादी के बंधन में बंध गये।

इस जोड़ी ने रफूचक्कर, जहरीला इंसान, जिंदादिल, कभी–कभी, अमर अकबर एंथनी ,अनजाने, दुनिया मेरी जेब में, झूठा कहीं का, धन दौलत, दूसरा आदमी आदि फिल्मों में युवा प्रेम की भावनाओं को निराले अंदाज में पेश किया। वर्ष 1977 में प्रदर्शित फिल्म अमर अकबर एंथोनी ऋषि कपूर के सिने करियर की अहम फिल्मों में एक है। इसमें अमिताभ बच्चन, दिवंगत विनोद खन्ना जैसे मंझे हुये कलाकारों की मौजूदगी में भी ऋषि कपूर ने अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को दीवाना बना दिया।

ऋषि के निधन से खेल जगत दुखी

दिग्गज अभिनेता ऋषि के निधन पर खेल जगत ने भी शोक जताया है। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने कहा, ष्भरोसा करना मुश्किल है कल इरफान खान और आज ऋषि कपूर। इनके परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं, दिवंगत आत्मा को शांति मिले।ष

वहीं महान बल्लेबाज सचिन तेंद. ुलकर ने कहा, ष्ऋषि जी के निधन की खबर सुनकर बहुत दुखी हूं, मैं उनकी फिल्में देखकर बड़ा हुआ हूं, जब भी मैं उनसे मिला हूं वो हमेशा उदार रहे हैं। उनकी आत्मा को शांति मिले।ष

वहीं बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने ऋषि कपूर और इरफान खान की तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा है कि, ष्एक जिंदगी है। इसे पूरा और खुशी से जियो और किसी चीज से फर्क नहीं पड़ता। बस याद दिला रहा था। आप हमेशा याद आओगे।ष

वहीं पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग भी ऋषि के निधन की खबर से बेहद दुखी हैं, उन्होंने लिखा है कि, ष्ऋषि कपूर जी के निधन के बारे में सुनकर दिल टूट गया है, उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना, ओम शांति।ष

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने भी ऋषि कपूर को याद करते हुए लिखा है, ष्ऋषि कपूर मेरे बचपन के हीरो थे, वो अब चले गए हैं। उनके परिवार और दोस्तों के प्रति गहरी संवेदनाएं।ष पूर्व बल्लेबाज वीवीएम लक्ष्मण ने कहा कि ऋषि के निधन की खबर सुनकर दुखी हूं।

चेतेश्वर पुजारा ने कहा कि इस पर विश्वास करना मुश्किल है कि दो दिन में दो दिग्गजों को खो दिया। खबर सुनकर काफी दुखी हूं।

ऋषि पिछले साल ही अमेरिका में कैंसर का उपचार कराने के बाद स्वदेश लौटे थे पर पिछले कुछ दिनों से बीमार होने के कारण मुंबई के एचएन रिलायंस अस्पताल में भर्ती थे।

अपने जीवंत अभिनय के लिए हमेशा याद आयेंगे इरफान

मशहूर बॉलीवुड अभिनेता इरफान खान का बुधवार को 54 साल की उम्र में निधन हो गया है, उनकी मौत से पूरी फिल्म इंडस्ट्री में शोक का माहौल है। इरफान पिछले कुछ समय से कैंसर जैसी बीमारी से जूझ रहे थे लेकिन उन्हें वह बीमारी भी हरा नहीं सकी पर शनिवार को जब 95 साल की मां इस दुनिया से रुखसत हुईं तब इरफान शायद इस सदमे को झेल नहीं सके। इरफान को मंगलवार को पेट के संक्रमण के बाद अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था।

इरफान को न्यूरोइंडोक्राइन ट्यूमर का पता चला था। लंदन में उनका इलाज चल रहा था। इसके बाद उनकी तबीयत में सुधार होने के बाद वह भारत वापस आ गए थे। लॉकडाउन के चलते वह मां के अंतिम संस्कार में भी शामिल नहीं हो सके थे। लंदन से इलाज करवाकर लौटने के बाद इरफान कोकिलाबेन अस्पताल के डॉक्टर्स की देखरेख में ही रहे हैं। पिछले कई महीनों से कोकिलाबेन अस्पताल में वह अपनी बीमारी से जुड़े रूटीन चेकअप्स और ट्रीटमेंट करवाते रहे हैं। फिल्म 'अंग्रेजी मीडियम' के दौरान भी उनकी तबीयत बिगड़ जाती थी।

इरफान बॉलीवुड के ऐसे कलाकार थे जिन्होंने पर्दे पर किरदार को केवल निभाया नहीं बल्कि जीया था। उनका अभिनय देखते वक्त दर्शक उनकी आंखों के भाव से समझ जाते थे कि फिल्म की परिस्थिति किस ओर रूख कर रही है। इरफान खान जैसे कलाकार इंडस्ट्री में बहुत ही मुश्किल से मिलते हैं। इरफान खान ने भले ही कम उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया हो लेकिन वह हमारे जहन में हमेशा याद रहेंगे।

इरफान ने अपनी जिंदगी की हर जंग एक योद्धा की तरह लड़ी है फिर चाहें वो अपने करियर की हो या फिर जानलेवा बीमारी की। कैंसर जैसी बीमारी को उन्होंने हराया और फिल्म अंग्रेजी मीडियम से पर्दे पर वापसी की। देश के मुश्किल हालात जल्द से जल्द ठीक हो जाए उसके लिए बीमार होने के बावजूद उन्होंने 12 घंटे का व्रत रखा और ईश्वर से प्रार्थना की। इरफान एक अच्छे अभिनेता के साथ–साथ एक दिलखुश और धर्म–जाति से उपर इंसानियत को रखने वाले शख्स थे।

दुनिया को अलविदा कहने के बाद भी लोगों के जहन में इन्हें जो जिंदा रखेगा वो है उनके द्वारा निभाए गये जीवंत किरदार ।

फिल्म पीकू में इरफान खान दीपिका पादुकोण और अभिताभ बच्चन के साथ नजर आये थे। फिल्म का निर्देशन शूजित सरकार ने किया था। फिल्म में उन्होंने टैक्सियों का बिजनेस करना वाले एक शख्स का किरदार निभाया था। फिल्म में उनकी कॉमेडी वाले स्टाइल में पंचलाइन बोलना और गुस्सेल पीकू को इंप्रेस करने का स्टाइल लोगों को खूब पंसद आया था।

हिन्दी मीडियम फिल्म में दिखाया गया था कि कैसे आज बड़े–बड़े स्कूलों में शिक्षा के नाम पर व्यापार हो रहा है। फिल्म में इरफान खान ने चांदनी चौक में रहने वाले एक बिजनेस मैन का किरदार निभाया था जिसे अंग्रेजी नहीं आती है। फिल्म सुपरहिट रही थी। फिल्म में इरफान खान बहुत ही दमदार एक्टिंग की थी।

फिल्म अंग्रेजी मीडियम इरफान खान की आखिरी फिल्म थी। फिल्म 18 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी लेकिन लॉकडाउन के कारण फिल्म घाटे में रही। फिल्म में उन्होंने राजस्थान के शहर में रहने वाले आदमी का किरदार निभाया था। तबीयत खराब होने के बावजूद इरफान ने पूरी फिल्म पूरी की। फिल्म में वह राजस्थ. ानी बोलते हुए दिखाई दे रहे थे। फिल्म में उन्होंने एक ऐसी बेटी के पिला का किरदार निभाया था जो विदेश में बढ़ना चाहती हैं।

फिल्म पान सिंह तोमर का डायरेक्शन तिग्मांशु धूलिया ने किया था। फिल्म में इरफान ने मशहूर ऐथलीट से डकैत बने पान सिंह तोमर का किरदार निभाया था। इस किरदार को इरफान ने इतने बेहतरीन तरीके से निभाया था कि इसके लिए इरफान को बेस्ट ऐक्टर का नैशनल फिल्म अवॉर्ड दिया गया था।

खेल जगत ने शोक जताया

खेल जगह ने बॉलीवुड अभिनेता इरफान के निधन पर शोक व्यक्त किया है। भारतीय टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने ट्वीट कर इरफान के निधन पर दुख प्रकट किया है। विराट के अलावा महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भी इरफान के असमय निधन से हैरान हैं। वहीं कई अन्य खिलाड़ियों ने भी इस अभिनेता के निधन पर शोक जताया है।

इरफान विदेश में इस बीमारी का इलाज कराकर ठीक हो गए थे पर बीते दिनों उन्हें फिर अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। इरफान के प्रशंसक देश ही नहीं विदेशों में भी हैं। इरफान के निधन के संबंध में अस्पताल की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, 'यह काफी दुखद है कि हमें उनके निधन की खबर बतानी पड़ रही है। इरफान एक मजबूत इंसान थे, जिन्होंने अंत तक लड़ाई लड़ी और अपने संपर्क में आने वाले हर शख्स को प्रेरित किया। बयान के अनुसार, 'अपने प्रियजनों, अपने परिवार के बीच उन्होंने अंतिम सांस ली और अपने पीछे एक महान विरासत छोड़ गए

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रसंगतः बुद्ध का संदेश

एक बार श्रावस्ती में भयंकर अकाल पड़ा। कई लोग भूख से तड़पकर मर गए। सबसे चिंताजनक स्थिति उन माताओं की थी , जिनकी गोद में दुधमुंह बच्चे थे और उनके घर के पुरुष काल के गाल में समा चुके थे। बुद्ध को जब यह पता चला तो वे चिंतित हो गए। उन्होंने तत्काल धनवान लोगों की एक सभा बुलवाई और उनसे कहा, 'आप इन माताओं और इनके बच्चों की रक्षा करें।' वहां उपस्थित लोग बोले, 'हमारे पास अनाज तो है, पर वह एक वर्ष ही चल पाएगा। इसमें से हमने दूसरों को अन्न दिया तो हमारा परिवार भूखों मर जाएगा। दूसरे घर का दीया जलाना भी तभी अच्छा लगता है जब अपने घर का दीया जल रहा हो।' इस पर बुद्ध गंभीर होकर बोले, 'आप लोग अपने स्वार्थ से ऊपर नहीं उठ पा रहे। क्या आपको विश्वास है कि आपके सदस्य की मृत्यु केवल अन्न न मिलने के कारण ही हो सकती है? क्या वे कोई अन्य रोग या दुर्घटना से बचे रहेंगे? क्या आप इस बात के प्रति पूरी तरह आश्वस्त हैं कि एक साल में इन पीड़ित व्यक्तियों के अलावा कोई और काल का ग्रास नहीं बनेगा? आपको भविष्य के बारे में सब कुछ कैसे पता?' यह सुनकर सभी ने अपने सिर नीचे कर लिए। इसके बाद बुद्ध बोले, 'भाइयो, आपदाओं से मिलकर ही निपटा जाता है। यदि आज आप इनकी मिलकर सहायता करेंगे, तो अकाल जैसी इस विपत्ति से मुक्ति संभव है। किंतु यदि आप इनकी मदद नहीं करेंगे तो जीवन भर कोई आपकी सहायता करने को भी तैयार नहीं होगा। याद रखिए, विपत्ति में पड़े लोगों की सहायता करना ही सबसे बड़ा धर्म है।' यह सुनकर श्रावस्ती के सभी सेठों और व्यापारियों ने अपने अनाज के भंडार खोल दिए। वे स्वयं भूखे लोगों में अन्न बांटने लगे। कुछ ही समय बाद सब लोगों के प्रयास से अकाल जैसी विपत्ति पर विजय पा ली गई और सब सुखपूर्वक रहने लगे।

लॉफिंग ज़ोन

तनु, ''तुम्हारे पति की आमदनी तो बहुत अच्छी नहीं है, फिर तुम एकाएक इतनी अमीर कैसे हो गई।'' पहली सहेली ने पूछा।

''अपनी भूल जाने की आदत के कारण।''

दूसरी सहेली ने बताया, ''दरअसल मेरे ससुर जी को हार्ट अटैक हुआ, मैं डाक्टर को फोन करना भूल गई।''

☺ ☺ ☺

विनोद विज, ''तुमने शादी क्यों की?''

राजेश विज, ''खुशियां और सुख पाने के लिए।''

विनोद विज, ''फिर अब तलाक क्यों ले रहे हो?''

राजेश विज, ''खोई हुई खुशियां और सुख को वापस पाने के लिए।''

☺ ☺ ☺

पहला चोर, ''मैं जिन के घर में चोरी करता हूं उन्हें कंगाल बना देता हूं।''

दूसरा चोर, ''मैं जहां चोरी करता हूं उन्हें लखपति बना देता हूं।''

पहला चोर, ''वह कैसे?''

दूसरा चोर, ''मैं घुसता ही करोड़पति के घर मैं हूं।''

☺ ☺ ☺

जल्लाद (मुजरिम को फांसी देने से पहले), ''भाई, कोई आखिरी इच्छा हो तो बताओ?''

मुजरिम, ''बस जी छोटी-सी इच्छा है। अगर आप मेरे स्थान पर आ जाएं और मुझे अपनी जगह पर आ जाने दें।''

दैनिक पंचांग

02 मई 2020 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

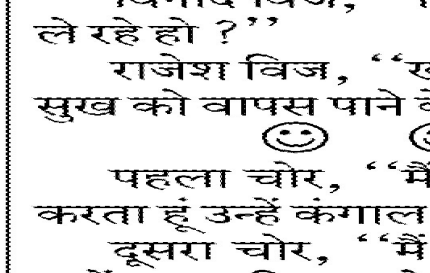

ग्रह स्थिति	
सूर्य	मेष में
चंद्र	सिंह में
मंगल	मकर में
बुध	मेष में
गुरु	मकर में
शुक्र	वृष में
शनि	मकर में
राहु	मिथुन में
केतु	धनु में

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृष	6.12 बजे से
मिथुन	8.10 बजे से
कर्क	10.23 बजे से
सिंह	12.40 बजे से
कन्या	14.51 बजे से
तुला	17.02 बजे से
वृश्चिक	19.17 ब.से
धनु	21.33 बजे से
मकर	23.38 बजे से
कुंभ	1.25 बजे से
मीन	2.57 बजे से
मेष	4.28 बजे से

शनिवार 2020 वर्ष का 123 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2077 **शक संवत्** 1942
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 11.36 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 23.40 बजे को समाप्त।
योग वृद्धि 15.18 बजे को समाप्त।
करण कौलव 11.36 बजे तदनन्तर तैतिल 22.27 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 8.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 15° 27'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1870506
जूलियन दिन 2458971.5
कलियुग संवत् 5121
कल्पारंभ संवत् 1972949121
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885121
वीरनिर्वाण संवत् 2546
हिजरी सन् 1441
महीना रमजान **तारीख** 08
विशेष जानकी(सीता)नवमी, संत भूराभगत जयन्ती, मैथिली दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55	से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37	से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23	से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10	से	08.42 बजे तक
रोग	08.51	से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42	से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19	से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14	से	11.47 बजे तक
चर	11.46	से	01.14 बजे तक	चर	11.47	से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14	से	02.42 बजे तक	रोग	01.19	से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42	से	04.10 बजे तक	काल	02.51	से	04.23 बजे तक
काल	04.10	से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23	से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अपने शहर या मोहल्ले की घटना,
परेशानी या न्यूज़ यहाँ शेयर करें
9879141480
या
info@krantisamay.com

आपने आसपास की घटनाक्रम, समाचार,प्रेसनोट देने के लिये हमारे ईमेल ***krantisamay@gmail.com*** या WhastApp **9879141480** पर भेज सकते हैं

ब्यूरो, रिपोटर
अपने क्षेत्र की
खबरें के लिये संपर्क करें.

टेक महिंद्रा का मुनाफा 29 फीसदी कम हुआ

मुंबई । आईटी सेवा कंपनी टेक महिंद्रा चौथी तिमाही के लाभ के अनुमान पर खरा नहीं उतर पाई क्योंकि कर्मचारियों की लागत आदि में बढ़ोतरी हुई, लेकिन उसे मध्यम अवधि में मांग में सुधार की उम्मीद है। पुणे मुख्यालय वाली कंपनी ने मार्च तिमाही में 804 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 29.1 फीसदी की गिरावट दर्शाता है। क्रमिक आधार पर लाभ में 30 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। कंपनी ने गुडविल व नॉन-करेंट परिसंपत्ति को बट्टे खाते में डालने के कारण तिमाही में 217.5 करोड़ रुपए का एकमुश्त नुकसान दर्ज किया। तिमाही में कंपनी का राजस्व 9,490 करोड़ रुपए रहा, जो सालाना आधार पर 6.7 फीसदी ज्यादा है लेकिन क्रमिक आधार पर उसमें 1.7 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। डॉलर के लिहाज से राजस्व तिमाही दर तिमाही 3.3 फीसदी घटकर 129.46 करोड़ डॉलर रहा। कंपनी का परिचालन मार्जिन 200 आधार अंक घटकर 14.2 फीसदी रहा, जो 10 तिमाही का निचला स्तर है। पूरे साल में नए सौदे 3.7 अरब डॉलर के मिले। कंपनी के निदेशक मंडल ने 5 रुपए प्रति शेयर के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है, जो आगामी सालाना आम बैठक में मंजूरी पर निर्भर करेगा। कंपनी बाजार के अनुमानों पर खरा नहीं उतर पाई। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने सालाना आधार पर 8.1 फीसदी की गिरावट के साथ 1,040.4 करोड़ रुपए के कर पश्चात लाभ का अनुमान जताया था जबकि तिमाही दर तिमाही उसमें 9.2 फीसदी की गिरावट की बात कही थी। रुपए में राजस्व हालांकि तिमाही दर तिमाही 2.6 फीसदी बढ़कर 9,903 करोड़ रुपए रहने का अनुमान जताया गया था। कंपनी का पूरे साल का राजस्व 518.19 करोड़ डॉलर रहा, जो स्थायी मुद्रा के लिहाज से 5.6 फीसदी की बढ़ोतरी दर्शाता है। पूरे साल का शुद्ध लाभ 6.3 फीसदी बढ़कर 4,033 करोड़ रुपए रहा जबकि परिचालन मार्जिन 15.5 फीसदी रहा।

फेसबुक के बाद कई और वैश्विक कंपनियां जियों में करेंगी निवेश

मुंबई । प्रमुख कारोबारी मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ?लिमिटेड (आरआईएल) ने कहा कि वह अपनी डिजिटल इकाई में 5.7 अरब डॉलर में फेसबुक को कुछ हिस्सेदारी बेचने के बाद इसी आकार के सौदों के लिए अन्य रणनीतिक एवं वित्तीय निवेशकों के साथ भी बातचीत कर रही है। कंपनी ने मार्च तिमाही के वित्तीय परिणाम के बयान में निवेशकों को इसकी जानकारी दी। उसने कहा कि ऐसे सौदों से उसे अपने कर्ज का स्तर कम करने में मदद मिलेगी। हालांकि, कंपनी ने यह नहीं बताया कि उसकी बातचीत किन निवेशकों के साथ चल रही है। उसने कहा कि आने वाले महीना. में निवेश के बारे में घोषणा की जाएगी। निदेशक मंडल को बताया गया है कि फेसबुक के निवेश के अलावा अन्य रणनीतिक और वित्तीय निवेशकों ने भी रिलायंस इंडस्ट्रीज में निवेश करने की दिलचस्पी जाहिर कर रहे हैं। उनके साथ बातचीत अच्छी दिशा में बढ़ रही है और आने वाले महीनों में इसी तरह के निवेश की घोषणा की जा सकती है।

राजकाज

प्लाजमा थेरेपी फेल

मुंबई के जिस पहले कोरोना मरीज को प्लाज्मा थेरेपी दी गई थी, बुधवार की रात उसकी मौत हो गई। मरीज को देरी से इलाज के लिए अस्पताल लाया गया था। उसे कोरोना के कारण निमोनिया हो गया था, नतीजतन उसकी स्थिति बिगड़ती गई। मरीज के मौत के बाद प्लाज्मा थेरेपी पर शंका के बादल छाने लगे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि प्लाज्मा थेरेपी अब तक कोई मानक इलाज नहीं है, इसलिए इसे ट्रायल की तरह ही देखा जा रहा है। सरकार भी पहले कह चुकी है कि प्लाज्मा थेरेपी कारगर इलाज नहीं है।

ट्रंप सही या यूएस इंटेलीजेंस

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर कहा कि दुनिया भर में दहशत का कारण बना कोरोना वायरस चीन की लैब में ही बनाया गया था। वहीं अमेरिका-चीन में चल रही जुबानी जंग के बीच नया मोड़ आ गया है। यूएस इंटेलिजेंस ने कहा कि कोरोना मानव निर्मित नहीं है। सवाल यह है कि ट्रंप और यूएस इंटेलीजेंस में सही किसे मानें। कुल मिलाकर ट्रंप जो कह रहे हैं, वह दुनिया का ध्यान भटकाने के लिए है।

उद्धव की कुर्सी पर सस्पेंस

महाराष्ट्र में राजनीतिक संकट गहराता जा रहा है। राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को एमएलसी नामित करने पर फैसला टालते हुए गेंद अब चुनाव आयोग के पाले में डाल दी है। राज्यपाल कोश्यारी ने चुनाव आयोग को पत्र भेजा है। उन्होंने चुनाव आयोग से अनुरोध किया है कि वह जल्द से जल्द महाराष्ट्र विधान परिषद की 9 खाली सीटों पर चुनाव घोषित करें। अब अगर चुनाव आयोग राज्यपाल के अनुरोध को स्वीकार कर लेता है तो 28 मई से पहले चुनाव हो सकते हैं और अगर नहीं होता है तो कोरोना के संकट में राज्य राजनीतिक संकट भी झेलेगा।

अमेरिका में हालात बदतर

कोरोना काल में वैश्विक अर्थव्यवस्था में जबरदस्त गिरावट देखी जा रही है। अमेरिका जैसी विश्व महाशक्ति में हालात और भी बदतर हैं जहां दूसरी तिमाही अभूतपूर्व 30 फीसदी गिरावट के साथ तबाह होने के संकेत दे रही है। यह 1920-30 के दशक की महामंदी से भी भयानक अव्यवस्था पैदा कर सकती है। देश में कारोबार बंद होने और लोगों के घरों से बाहर न निकलने के चलते अमेरिकी अर्थव्यवस्था की दूसरी तिमाही बुरी हालत में आ गई है। इन हालातों में भीषण आर्थिक अव्यवस्था पैदा होने के चलते इसके बेहतर होने में कई साल लग सकते हैं।

आज का इतिहास 2 मई

1526 जर्मनी में प्रोटेस्टैन्ट लीग की स्थापना हुई.
1536 इंग्लैंड की रानी ऐन बोलिन को टावर ऑफ लंदन में भेजकर मौत के घाट उतार दिया गया.
1668 फ्रांस और स्पेन में शांति संधि हुई.
1734 स्पेनी सेना का नेपल्स पर कब्जा.
1813 नेपोलियन बोनापार्ट ने प्रसिया और रूस की सेनाओं को लुजेन 'जर्मनी' में हराया.
1826 पीटर चतुर्थ ने ब्राजील में रहने के लिए पुर्तगाल की गद्दी से अपना दावा छोड़ दिया.
1895 ब्रिटिश साऊथ अफ्रीका कंपनी का क्षेत्र रोडेशिया के रूप में गठित किया गया.
1921 फिल्म निर्माता निर्देशक सत्यजीत राय का जन्म.
1933 एडोल्फ हिटलर ने जर्मनी में श्रमिक संघों को अवैध करार दिया.
1945 बर्लिन ने द्वितीय विश्व युद्ध में सोवियत फौजों के समक्ष समर्पण किया.
1967 ब्रिटिश प्रधानमंत्री हैराल्ड विल्सन ने यूरोपीय साझा बाजार में शामिल होने का निश्चय किया.
1968 सार्वजनिक भविष्य निधि विधेयक को लोकसभा ने मंजूरी दी.
1990 अफ्रीका सरकार और अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस के बीच बातचीत शुरू हुई.
1995 आठवीं सार्क बैठक नई दिल्ली में भारत की अध्यक्षता में प्रारंभ.
2000 श्रीलंका ने लिट्टे के विरुद्ध कार्रवाई के लिये भारत से मदद मांगी.
2001 उत्तरांचल विशेष दर्जा पाने वाला देश का 11 वां राज्य बना.
2002 शिरडी जा रही एक बस के पलटने से लगी आग से 33 यात्री मरे व 26 घायल हुए.

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना को मात दे अस्पताल से घर पहुंची वृद्धा का पटाखे फोड़ किया स्वागत

सूरत । शहर के नए सिविल अस्पताल में 13 अप्रैल से उपचाराधीन 85 वर्षीय वृद्धा को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। मजबूत मनोबल वाली वृद्धा कोरोना को मात देकर अस्पताल से जब घर पहुंची तब परिवार समेत आसपास के लोगों ने पटाखे फोड़ उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत कियाद्य

सूरत के सलाबतपुरा क्षेत्र की जीवन की चाली निवासी 85 वर्षीय गौरीबेन शांतिलाल राणा नामक की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद 13 अप्रैल को शहर के नए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में वृद्धा का उपचार चल रहा था, दूसरी ओर उनका परिवार यह सोचकर चिंता में था कि ज्यादा आयु होने के कारण वह कभी स्वस्थ हो पाएंगी या नहीं। लेकिन मजबूत मनोबल की गौरीबेन राणा ने कोरोना को मात दी। वृद्धा की कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद एम्ब्युलैंस के जरिए उन्हें घर पहुंचाया गयाद्य कोरोना को पटखनी देकर वृद्धा के घर लौटने पर परिजन समेत आसपास के लोगों ने पटाखे, थाली, शंख और नगारा बजाकर उनका स्वागत किया। साथ ही वृद्धा का उपचार करने वाले सभी डॉक्टरों समेत मेडिकल स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त किया।

देवगढ़ बारिया जेल से एक साथ 13 कैदियों के फरार होने से मचा हड़कम्प

दाहोद । देवगढ बारिया तहसील के सब जेल से एक साथ 13 कैदियों की फरार होने की घटना से जेल प्रसाशन में हड़कम्प मच गयाद्य घटना के बाद हरकत में आई दाहोद पुलिस ने जिलेभर में कैदियों की तलाश शुरू की है।

जानकारी के मुताबिक दाहोद जिले के देवगढ़ बारिया तहसील की सब जेल से आज सुबह 13 कैदी फरार हो गएद्य एक ओर गुजरात में कोरोना ने कहर बरपा रखा है और उसकी वजह से लॉकडाउन चल रहा हैद्य ऐसे में सब जेल में बैरक का ताला तोड़ एक साथ 13 कैदियों के फरार होने की घटना से प्रशासन में हड़कम्प मच गया।

जेल से फरार कैदी यदि किसी होटस्पोट क्षेत्र में छिपे होंगे तो उनके कोरोना संक्रमित होने का खतरा है। दाहोद जिले में कोरोना के ज्यादा केस नहीं हैं, लेकिन पंचमहल में 34 मामले हैं और अब तक 2 लोगों की मौत हो चुकी हैद्य फिलहाल घटना के बाद हरकत में आई दाहोद पु. लिस ने जेल से फरार कैदियों की तलाश शुरू कर दी है।

गोधरा में बेरिकेटिंग करने गई पुलिस टीम पर हमला, 10 शख्स गिरफ्तार

पंचमहल गोधरा के गुह्या मुहल्ला में बेरिकेटिंग करने की गई पुलिस पर स्थानीय लोगों ने हमला कर दियाद्य जिसमें एक पुलिसकर्मी घायल हो गयाद्य पुलिस ने 30 लोगों की भीड़ के खिलाफ मामला दर्ज कर 10 लोगों को गिरफ्तार कर लिया ।

जानकारी के मुताबिक पंचमहल जिले के गोधरा में जहूरपुरा गुह्या मुहल्ला को कंटेनमेंट एरिया घोषित किया गया है। कंटेनमेंट एरिया में बेरिकेट लगाने गई पुलिस टीम का स्थानीय लोगों ने विरोध किया। पुलिस ने जब उन्हें समझाने का प्रयास किया तो लोगों ने पुलिस टीम पर पथराव शुरू कर दिया। भीड़ को तितर बितरने के लिए पुलिस ने टियर गैस का उपयोग किया। इस बीच जिला पुलिस अधीक्षक समेत काफिला घटनास्थल पर पहुंच गया और हालात पर काबू पाया। घटना के बाद क्षेत्र में बड़ी संख्या में पुलिस जवान तैनात कर दिएद्य पुलिस ने 30 जितने लोगो के खिलाफ मामला दर्ज कर 10 शख्सों को गिरफ्तार कर लिया हैद्य जबकि अन्य शख्सों की तलाश कर रही है।

गुजरात में 326 नए केसों के साथ कोरोना का आंकड़ा पहुंचा 4721 पर 24 घंटों में 22 मरीजों की मौत, अहमदाबाद में कुल पॉजिटिव केसों की संख्या 3293

अहमदाबाद । गुजरात में कोरोना पॉजिटिव केसों की संख्या में तेजी से बढ़ रही है। पिछले 24 घंटों में 326 नए केसों के साथ राज्य में कोरोना का आकड़ा 4721 पर पहुंच गया हैद्य वहीं पिछले 24 घंटों में राज्य में 22 मरीजों की मौत हो गईद्य जबकि 123 लोग ठीक भी हुए हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान भी अहमदाबाद में कोरोना के सबसे अधिक केस दर्ज हुए है।

स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव डॉ. जयंति रवि ने बताया कि राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान 326 नए केस सामने आए हैं। जिसमें अहमदाबाद में सबसे अधिक 267 केस दर्ज हुए हैं। जबकि बनासकांठा में 1, बोटाद में 1, गांधीनगर में 1, कच्छ में 1, महीसागर में 6, पंचमहल में 3, पाटन में 1, सूरत में 26 और वडोदरा में पिछले 24 घंटों में 19 केस दर्ज हुए हैं। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद में 16 मरीजों की मौत हो गईद्य जबकि वडोदरा में 4 और पंचमहल व सूरत में एक–एक मरीज की मौत हो गईद्य पिछले 24 घंटों में कोरोना से सबसे अधिक 83 लोग अहमदाबाद में ठीक हुए हैं। वडोदरा में 15, सूरत में 12, आणंद में 6, साबरकांठा में 2, दाहोद में 1, गिर सोमनाथ में 1, नवसारी में 1, पाटन में 1 और राजकोट में 1 समेत पिछले 24 घंटों में 123 लोगों के ठीक होने के बाद उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया हैद्य जिसमें 74 पुरुष और 49 महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक 68774 टेस्ट में 64053 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव और 4721 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई हैद्य 4721 में 3713 मरीजों की हालत स्थिर है और 36 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। जबकि 736 लोग अब तक ठीक हो चुके हैं और 236 लोगों की अब तक मौत हो चुकी है। राज्य में कुल 43871 लोग कोरन्टाइन हैं। जिसमें 40126 होम कोरन्टाइन, 3600 सरकारी कोरन्टाइन और 145 लोग प्राइवेट फैसिलिटी में कोरन्टाइन हैं। जयंति रवि ने बताया कि अहमदाबाद में कोरोना पॉजिटिव की संख्या 3293 पर पहुंच गई है। सूरत में 644, वडोदरा में 308, राजकोट में 58, भावनगर में 47, आणंद में 74, भरुच में 27, गांधीनगर में 49, पाटन में 18, पंचमहल में 37, बनासकांठा में 29, नर्मदा में 12, छोटाउदेपुर में 13, कच्छ में 7, मेहसाणा में 11, बोटाद में 21, पोरबंदर में 3, दाहोद में 5, गिर सोमनाथ में 3, खेडा में 6, जामनगर में 1, मोरबी में 1, साबरकांठा में 3, अरवल्ली में 19, महीसागर में 17, तापी में 1, वलसाड में 5, नवसारी में 6, डांग में 2 और सुरेन्द्रनगर में 1 समेत राज्यभर में कोरोना पॉजिटिव केसों की संख्या 4721 हो गई हैद्य जबकि 736 लोग ठीक हुए हैं और 236 मरीजों की अब तक मौत हो चुकी है

सतर्कता ही कोरोना के खिलाफ एक मात्र हथियार : पुलिस महानिदेशक शिवानंद झा

अहमदाबाद गुजरात के पुलिस महानिदेशक शिवानंद झा ने राज्य की स्थापना दिवस की प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सतर्कता ही कोरोना से निपटने का एक मात्र हथियार है। राज्य की स्थापना दिवस के मौके पर प्रत्येक नागरिक संकल्प करे कि अब तक जिस प्रकार कोरोना के खिलाफ एकजुट होकर लड़ें हैं उसी प्रकार आगे भी इस लड़ाई को जारी रखेंगेद्य ताकि कोरोना को परास्त किया जा सके और इसके लिए बगैर मास्क बाहर निकलना, सोशल डिस्टन्स का पालन करना और बार बार साबू या सैनिटाइजर से हाथ साफ करने का आज राज्य के सभी नागरिक संकल्प करेंद्य उन्होंने कहा कि लॉकडाउन का कड़ाई से पालन करने में लोगों का सहयोग जरूरी है और जनता का सहयोग मिला तो पुलिस को भी सफलता मिलेगीद्य भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बीच भी हर पुलिस जवान जनता के लिए तैनात है। पुलिस ड्रोन और सीसीटीवी के माध्यम से चप्पे चप्पे पर नजर रख हुए हैद्य यदि कोई लॉकडाउन का उल्लंघन करता है तो लोग इसकी सूचना पुलिस को दें। उन्होंने बताया कि ड्रोन से बीते दिन 293 और सीसीटीवी से 113 मामले दर्ज किए गए। सोशल मीडिया में अफवाह फैलाने पर 23 एकाउंट बंद किए गए हैंद्य 28 ड्रोन की मदद से पुलिस विभिन्न इलाकों में अब तक 640 मामले दर्ज कर 1636 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बीते दिन 33 मामले दर्ज कर 41 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था । साइबर क्राइम के 8 मामले दर्ज कर 6 आरोपियों को पकड़ा गया है। पुलिस ने फेसबुक के 5 और ट्वीटर के 5 आपत्तिजनक आईडी डिलीट किए हैं। उन्होंने बताया कि अब तक जब्त किए गए 9906 वाहन जुर्माना वसूलने के बाद मुक्त किए गए हैं।

परप्रांतियों वतन भेजने के लिए 9 चेकपोस्ट बनाई गई

वडोदरा । कोरोना के चलते लोकडाउन में फंसे परप्रांतियो को ई–पास देकर वतन भेजने के लिए 9 चेकपोस्ट बनाई गई हैद्य चेकपोस्ट पर श्रमिकों को स्क्रिनिंग करने के बाद उन्हें अपने–अपने वतन भेजने की व्यवस्था की जाएगी।

वडोदरा जिला कलेक्टर ने कहा कि केन्द्र सरकार की सूचना के मुताबिक दूसरे राज्य के विद्यार्थी, यात्री व परप्रांतिय श्रमिकों अपने दृ अपने वतन भेजने की व्यवस्था की गई हैद्य गुजरात सरकार ने नोडल अधिकारी की नियुक्ति की है। परप्रांतिय श्रमिक, यात्री एवं विद्यार्थी को डिजिटल गुजरात पोर्टल पर से ई–पास प्राप्त करना होगाद्य जिसके लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति की गई है। वडोदरा जिले में भी ई–पास सिस्टम की व्यवस्था की गई है।जिले के नोडल अधिकारी के तौर पर डिप्टी कलेक्टर आर.पी.जोशी की नियुक्ति की गई है। वडोदरा जिले में ई–पास सिस्टम की व्यवस्था की गई है। अपने वतन जाने के लिए इन लोगों को ओनलाइन अरजी करनी होगी जिसके लिए एक कंट्रोम रुम तैयार किया गया है। कलेक्टर ने कहा कि हरेक राज्य के लोगों के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति की गई है। समग्र कार्रवाई का संचालन डिप्टी कलेक्टर स्तर के अधिकारी कर रहे है। इसके साथ साथ 1077 नंबर पर भी पूछताछ की जा सकती हैद्य वतन जाने वाले सभी लोगों के हेल्थ स्क्रिनिंग के लिए हरेक सीएचसी, पीएचसी और अर्बन हेल्थ सेन्टर्स पर सूचना दी गई है। वडा. दरा प्रशासन ने 9 चेक पोस्ट बनाकर चेक पोस्ट पर पुलिस, रेवन्यु और स्वास्थ्य की टीम तैनात की जाएगी और अपने वतन जानेवालों का स्क्रिनिंग भी किया जाएगा।

देश में बीते 24 घंटे में 77 लोगों की मौत, मृतकों की संख्या 1152

देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। पिछले 24 घंटों में 76 नए मामले दर्ज किए जाने के कारण अब तक कुल 3515 लोग इस महामारी से संक्रमित हुए हैं। दिल्ली में 3 और संक्रमितों की मौत के बाद मृतकों की संख्या 59 हो गई है, जबकि अब तक कुल 1094 मरीजों को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। कोरोना वायरस से गंभीर रूप से प्रभावित मध्यप्रदेश में पिछले 24 घंटों में संक्रमण के 59 नये मामले सामने आये जिससे संक्रमितों की संख्या 2719 हो गई तथा मरने वालों की संख्या 11 से बढ़कर 137 हो गई। राज्य में 482 मरीज भी ठीक हो चुके हैं। राजस्थान में पिछले 24 घंटों के दौरान 146 नए मामले सामने आए हैं और इनका आंकड़ा बढ़कर 2584 हो गया। राज्य में इस दौरान 7 और मरीजों की मौत के बाद मरने वालों की संख्या 58 हो गयी हैं। राज्य में 836 मरीज ठीक हुए हैं। दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु में 161 नए संक्रमित सामने आये हैं और संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 2323 हो गई तथा राज्य में पिछले 24 घंटों में कोरोना से किसी व्यक्ति की मौत नहीं हुई है और यह आंकड़ा 27 पर बना हुआ। राज्य में 1258 मरीज अब तक ठीक हुए हैं। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में संक्रमण के 78 नए मामले सामने आने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या 2281 हो गई है तथा मृतकों की संख्या दो बढ़कर 41 हो गई है। राज्य में अभी तक 555 मरीजों को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। दक्षिणी राज्य आंध्र प्रदेश में 1463 और कर्नाटक में 576 लोग संक्रमित हैं तथा इन राज्यों में क्रमशः 33 और 22 लोगों की मौत हुई है। दक्षिणी राज्य तेलंगाना में संक्रमितों की कुल संख्या 1039 हो गई और इससे मरने वालों की संख्या 26 पर बनी हुई है। केरल में 497 लोग संक्रमित हुए हैं और चार लोगों की मौत हुई है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर में संक्रमितों की संख्या 614 है और 8 की मौत हुई है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल में 33, पंजाब में 19, हरियाणा और झारखंड में तीन–तीन, बिहार में दो तथा मेघालय, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश और असम में एक–एक व्यक्ति की मौत हुई है।

– दुकानों पर शराब–पान मसाले की होगी बिक्री

इस बार बढ़ाए गए लॉकडाउन में कई रियायतें भी दी गई है। इनमें शराब की बिक्री को भी मंजूरी दी गई है। लॉकडाउन 3.0 में सभी जोन में शराब की अनुमति दी गई है। साथ ही पान मसाला, गुटखा और तम्बाकू को बेचने की इजाजत भी दी गई है। हालांकि सिर्फ कंटेनमेंट जोन में ही शराब की बिक्री पर पाबंदी रहेगी। साथ ही शराब आदि की बिक्री सिर्फ दुकानों पर ही की जा सकेगी।

17 से लेकर 78 वर्षीय वृद्धा ने कोरोना को मात, जंगलेश्वर के 16 लोग लोग हुए स्वस्थ

राजकोट । वैश्विक महामारी कोरोना वायरस का कहर जारी है। कोराना वायरस का होट. स्पोट जंगलेश्वर इलाके में कोरोना के केस लगातार बढ रहे है। इस बीच जंगलेश्वर के 17 वर्षीय किशोर से लेकर 78 वर्षीय वृद्धा ने कोरोना वायरस को मात देते हुए स्वस्थ होकर अपने घर लौटे।

राजकोट शहर में अब तक कोरोना वायरस के 58 पोझिटिव केस दर्ज हुए है। जिसमें 16 मरिज स्वस्थ होकर अपने घर लौटे है। इन मरिजो में होटस्पोट जंगलेश्वर के 78 वर्ष के वृद्धा ने जंगलेश्वर के अग्रणी व समाजसेवक मुन्नाबापू ने कोरोना वायरस को मात दे चुके है। विमलाबेन की रोगप्रतिक रक शक्ति इतनी मजबूत थी कि उन्हें वेन्टिलेटर की भी जरूरत नहीं पड़ीद्य वृद्ध ा ने अस्पताल में ही किताबें मंगवा ली थी हररोज किताबें पढते थे। वहीं मुन्नाबापू सिविल अस्पताल के आइसोलेशन वोर्ड में हररोज कसरत कर रहे थे। ऐसे 16 कोरोना वोरियर्स ने महामारी कोरोना को मात दीद्य राक. कोट व गुजरात के प्रथम कोरोना पोजीटिव मरिज नदीम भी कोरोना को मात देकर स्वस्थ होकर घर लौट चुके है। सबसे कम उम्र के 17 वर्षीय रियाज नामक किशोर ने भी कोरोना वायरस को मात दीद्य महानगर पालिका द्वारा 18 मरिजों के स्वस्थ होने की सूची जारी की है। जागनाथ प्लोट इलाके में रहनेवाले 78 वर्षीय द्धा व उनके पुत्र कौशल का कोरोना रिपोर्ट पोजि. टिव आया थाद्य दोनों का सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा थाद्य माता–पुत्र एक ही दिन स्वस्थ होने पर दोनों एक साथ अस्पताल ले छुट्टी दी गईद्य जबकि जंगलेश्वर में रहनेवाले समाजसेवक मुन्नाबापू व उनकी पत्नी का रिपोर्ट पोजीटिव आने पर उनका सिविल अस्पताल में इलाज जारी है। जबकि उनके परिवार को कोरोन्टान किया गया है

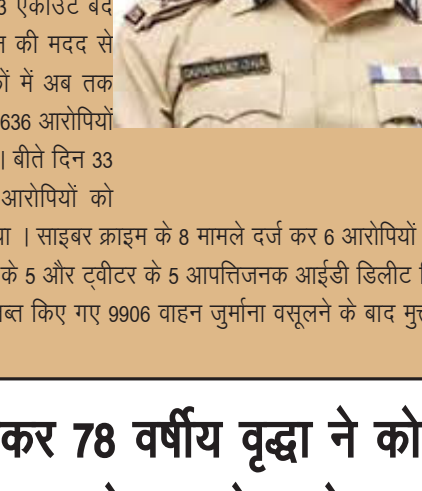

कोरोना के कहर के बीच गर्मी का पारा 44 डिग्री के पार

अहमदाबाद । राज्य में कोरोना कहर के बीच आम जनता भीषण गर्मी से भी त्रस्त है। आज राज्य के अधिकतर जिलों में गर्मी का पा 40 के पार कर चुका हैद्य अहमदाबाद में गर्मी का पारा 44 डिग्री के पार कर चुका है।

राज्य में कोरोना वायरस का कहर लगातार जारी है। राज्य में पिछले 24 घंटों में 326 केस दर्ज हुए है। 22 लोगों की मौत चुकी है और 123 लोगों को डिस्चार्ज कियाद्य गुजरात में सबसे अधिक अहमदाबाद 267 कोरोना पोजिटिव केस दर्ज हुए है। इसके साथ ही गुजरात में अब तक 4721 केस दर्ज हो चुके है और 236 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 736 लोग स्वस्थ हो चुके है। कोरोना के कहर के बीच अब भीषण गर्मी से भी लोग त्रस्त हो चुके है। राज्य के अधिकतर जिलों में गर्मी का पारा 40 डिग्री तक पहुंच चुका है। जबकि गांधीनगर, डीसा और सुरेन्द्रनगर में गर्मी का पारा 44 डिग्री के पार हो चुका है। इसके अलावा सौराष्ट्र के अमरेली जिले में 43 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। जबकि भावनगर,

राजकोट में तापमान 42 डिग्री तक पहुंच गयाद्य भूज और कंडला में भी गर्मी का पारा 42 डिग्री दर्ज हुआ। सूरत में गर्मी का पारा 36 डिग्री दर्ज हुआ है। राज्य में सबसे अधिक गर्मी का पारा द्वारका जिले में दर्ज हुआ है। द्वारका में गर्मी का पारा 32 डिग्री दर्ज हुआ।

अप्रैल 2020 में मारुति की नहीं बिकी एक भी कार

नई दिल्ली । भारत की प्रमुख कार बनाने वाली कंपनी मारुति सुजुकी की घरेलू बाजार में पिछले महीने एक भी कार नहीं बिकी। इसकी प्रमुख वजह 25 मार्च से देशभर में लॉकडाउन होना है। बंद के लिए जारी सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार कंपनी के संयंत्रों में उत्पादन बंद है। कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि अप्रैल 2020 में उसकी घरेलू बिक्री शून्य रही है। हालांकि बंदरगाहों के खुलने के बाद कंपनी ने मूंदड़ा बंदरगाह से 632 कारों का निर्यात किया है। निर्यात के लिए सभी सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन किया गया।

महाराष्ट्र दिवस पर शेयर और मुद्रा बाजार बंद

मुंबई । महाराष्ट्र दिवस के मौके पर शुक्रवार 1 मई को बीएसई, नेशनल स्टॉक एक्सजेंस, मुद्रा और बांड बाजार समेत सभी प्रमुख वित्तीय बाजार बंद रहेंगे। मेटल और बुलियन सहित थोक कमोडिटी बाजार भी आज बंद रहेंगे। फॉरेक्स और कमोडिटी फ्यूचर्स मार्केट में भी कोई ट्रेडिंग गतिविधि नहीं होगी। इससे पहले गुरुवार को शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। यह लगातार चौथा दिन रहा जब बाजार तेजी में बंद हुआ। सेंसेक्स 997.46 अंक बढ़कर 33717.62 पर और निफ्टी 306.55 अंक की बढ़त के साथ 9859.90 पर बंद हुआ था। लगभग 1316 शेयरों में तेजी, 1084 शेयरों में गिरावट आई है और 165 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)